दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik asliazadidainikofficial

असली आज़ादी

The Voice of Union Territory Dadra and Nagar Haveli and Daman-Diu Since 2005

www.asliazadi.com

■ वर्ष: 20, अंक: 300 ■ दमण, शनिवार 23 अगस्त 2025, ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने दानह में नमो मेडिकल कॉलेज, नमो अस्पताल, शिक्षा केन्द्रों सहित विभिन्न विकास प्रोजेक्टों का किया दौरा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन और प्रशासक प्रफुल पटेल के नेतृत्व में प्रदेश विकास की ओर अग्रसर है: उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता

■ केन्द्रशासित प्रदेश लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने दानह में विभिन्न विकास कार्यों, संस्थानों का दौराकर प्रगति पर जताई प्रसन्नता, की सराहना ■ लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने नमो अस्पताल में भर्ती मरीजों को फल वितरित किया और अस्पताल की सेवाओं को सराहा ■ लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता नमो मेडिकल कॉलेज की अधोसंरचना और शैक्षणिक सुविधाओं को देखकर हुए आश्चर्यचकित

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 22 अगस्त। केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता अपनी धर्मपत्नी बिंदी गुप्ता के साथ दादरा नगर हवेली जिले का दौरा किया। इस अवसर पर उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने विभिन्न विकास कार्यों, संस्थानों तथा स्थानीय स्थलों का भ्रमण कर प्रगति का जायजा लिया। लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने दौरे की शुरुआत नमो अस्पताल से की, जहां उन्हें मरीजों की देखभाल के लिए उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी गई। उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों को फल वितरित किए और अस्पताल की सेवाओं की सराहना की। इसके बाद लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता स्वामी विवेकानंद विद्या मंदिर झंडा चौक सिलवासा का दौरा किया, जहां छात्रों और शिक्षकों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने छात्रों से संवाद किया और विद्यालय की अधोसंरचना देखकर प्रसन्नता व्यक्त की। लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने नमो मेडिकल कॉलेज का दौरा किया और उन्होंने नवीनतम अधोसंरचना और शैक्षणिक सुविधाओं को देखकर आश्चर्य और संतोष व्यक्त किया। इसके पश्चात लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने नंदघर गलोंडा का निरीक्षण किया और बच्चों के लिए उपलब्ध सुविधाओं की सराहना की। उन्होंने हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर सामरवरणी, वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट और अंत में स्पोर्ट्स एरीना फ्लाईओवर अंडर स्पेस का दौरा किया। उन्होंने इन सभी स्थलों पर उपलब्ध सुविधाओं और विकास कार्यों की प्रशंसा की। लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता का पूरा दौरा प्रशासनिक, सामाजिक, शैक्षणिक और अधोसंरचनात्मक क्षेत्रों के अनुभव एवं अध्ययन पर केंद्रित रहा। इस दौरे के दौरान उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने प्रशासनिक अधिकारियों से विस्तृत विचार-विमर्श कर शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और विकास परियोजनाओं की समीक्षा की। लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने प्रशासक प्रफुल पटेल के मार्गदर्शन में चल रहे विकास कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में तथा प्रशासक प्रफुल पटेल के नेतृत्व में प्रदेश विकास की ओर अग्रसर है।

लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने दमण जिले के विभिन्न पर्यटन एवं मनोरंजन स्थलों का अवलोकन कर उपलब्ध सुविधाओं को सराहा

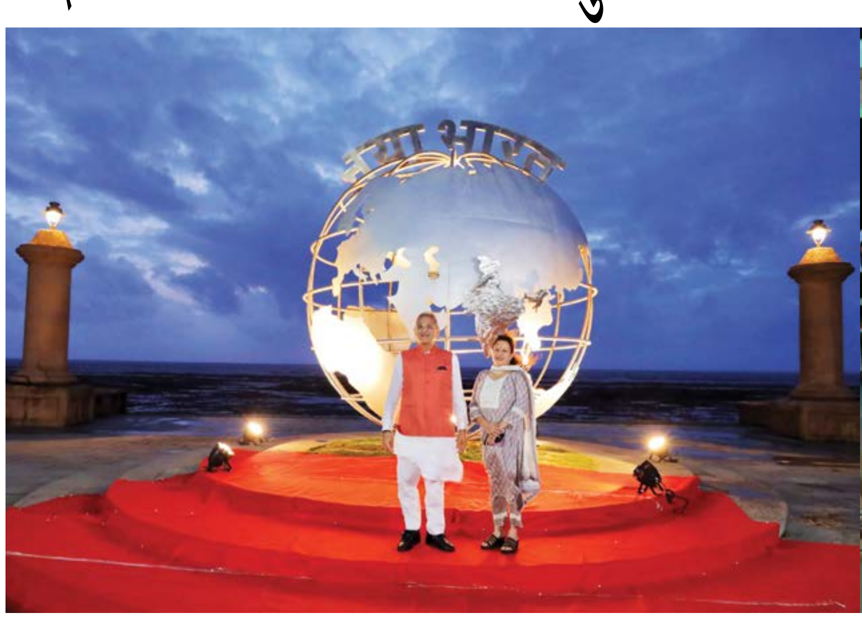

■ प्रशासक प्रफुल पटेल के नेतृत्व में दमण पर्यटन, मनोरंजन और सांस्कृतिक गतिविधियों के क्षेत्र में नई ऊंचाईयां प्राप्त कर रहा है: उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता

असली आजादी न्यूज नटेवर्क, दमण 22 अगस्त। संघ प्रदेश लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता अपनी धर्मपत्नी बिंदी गुप्ता के साथ संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के तीन दिवासीय दौरे पर हैं। इसी क्रम में आज दमण जिले के दौरे पर उन्होंने जिले के विभिन्न पर्यटन एवं मनोरंजन स्थलों का अवलोकन किया और वहाँ उपलब्ध सुविधाओं की सराहना की। लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने सबसे पहले गो-कार्टिंग स्थल का दौरा किया, जहाँ उन्होंने युवाओं और पर्यटकों के लिए विकसित की गई आधुनिक खेल गतिविधियों को देखा। इसके बाद उन्होंने नमो पथ सेल्फी प्वाइंट का निरीक्षण किया और इसे दमण पर्यटन का एक आकर्षक स्थल बताते हुए इसकी सराहना की। लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने आगे टॉय ट्रेन का अवलोकन किया, जो परिवारों और बच्चों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र है। उन्होंने इसे पर्यटन को बढ़ावा देने वाली महत्वपूर्ण पहल बताया। इसके पश्चात उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने नाइट मार्केट का भ्रमण किया, जहाँ उन्होंने पुर्तगाली थीम पर बने मार्केट को देखा और उसके बारे में जाना। साथ ही उन्होंने नानी दमण पुलिस स्टेशन का भी निरीक्षण किया। अपने दौरे के दौरान उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने प्रशासक प्रफुल पटेल के नेतृत्व में किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की और कहा कि दमण पर्यटन, मनोरंजन और सांस्कृतिक गतिविधियों के क्षेत्र में नई ऊंचाईयां प्राप्त कर रहा है।

महुआ मोइत्रा ने योगी पर तंज कसते हुए कहा... थोड़ी तो शर्म कीजिए

कोलकत्ता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा ने शुक्रवार सुबह गाय की तस्वीरों के साथ कुछ ऐसा लिखा जिसने सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। महुआ ने एक सरकारी गाय आश्रय केंद्र की तस्वीरें साझा कीं। इन तस्वीरों में शेल्टर होम की गंदगी और बीमार गायें नजर आ रही हैं। महुआ मोइत्रा ने लिखा है कि ये ग्रेटर नोएडा स्थित गाय शेल्टर होम का हाल है। गाय मुख्यमंत्री योगी को बहुत प्रिय हैं। मोइत्रा ने यूपी के पशुपालन विभाग को टैग कर लिखा है थोड़ी तो शर्म कीजिए। बता दें कि महुआ पश्चिम बंगाल की कृष्णानगर सीट से सांसद हैं। वह लोकसभा में अपने तेवर के लिए जानी जाती हैं। वह अक्सर कई मुद्दों पर मोदी सरकार की घेराबंदी करती दिखाती हैं।

आतंकी संबंधों के आरोप में दो सरकारी कर्मचारियों बर्खास्त

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आतंकी संबंधों के आरोप में दो सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्त किया है। यह कार्रवाई भारतीय संविधान के अनुच्छेद 311 (2)(सी) के तहत की गई है। बर्खास्त किए गए दो कर्मचारियों में एक कुपवाड़ा के करनाह का एक शिक्षक और दूसरा कुपवाड़ा के केरन का एक सहायक स्टॉकमैन था। जांच में यह साबित हुआ कि दोनों कर्मचारी आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के लिए काम कर रहे थे। कानून प्रवर्तन और खुफिया एजेंसियों ने उनके खिलाफ आपत्तिजनक सबूत जुटाए थे। अगस्त 2020 में उपराज्यपाल का पद संभालने के बाद से, सिन्हा आतंकवाद को जड़ से खत्म करने पर जोर दे रहे हैं। उन्होंने आतंकवादियों के साथ-साथ उनके मददगार नेटवर्क, जिन्हें ओवरग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) और सरकारी संस्थानों में मौजूद उनके समर्थकों के रूप में जाना जाता है, को भी निशाना बनाया है। 2020 से 2024 के बीच सुरक्षा बलों ने सैकड़ों आतंकवादियों को मार गिराया। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 311(2)(सी) का उपयोग करते हुए, 70 से अधिक इसतरह के व्यक्तियों को सरकारी नौकरियों से बर्खास्त किया गया है।

बेंगलुरु में कांग्रेस विधायक केसी वीरेंद्र पप्पी और उनके भाइयों के आवासों पर छापेमारी

बेंगलुरु (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गेमिंग एप में कथित अवैध धन हस्तांतरण की जाँच के तहत चित्रदुर्ग जिले के चल्लकेरे कस्बे में कांग्रेस विधायक केसी वीरेंद्र पप्पी और उनके भाइयों के आवासों पर छापेमारी की। ईडी अधिकारियों के अनुसार, चित्रदुर्ग, बेंगलुरु और गोवा सहित 17 स्थानों पर एक साथ छापेमारी की गई है। 20 वाहनों में सवार 40 से अधिक ईडी अधिकारियों ने केसी नागराज और केसी टिप्पेस्वामी के घरों सहित वीरेंद्र से जुड़ी कई संपत्तियों की तलाशी ली। यह कार्रवाई 2016 में वीरेंद्र के आवास पर आयकर विभाग के छापे के वर्षों बाद हुई है, जिसमें एक बाथरूम में छिपाकर रखे गए 5 करोड़ रुपये से अधिक नकद और 30 किलोग्राम सोना बरामद हुआ था। ईडी सूत्रों का आरोप है कि वीरेंद्र की कंपनियों रत्ना गोल्ड, रत्ना मल्टी सोर्स, पप्पी टेक्नोलॉजी और रत्ना गेमिंग सॉल्यूशंस का इस्तेमाल गेमिंग एप से जुड़े अवैध धन हस्तांतरण के लिए हुआ था। गौरतलब है कि 2016 में, विधायक वीरेंद्र, जो तब जेडी(एस) पार्टी में थे, को आयकर विभाग द्वारा उनके बाथरूम में एक गुप्त कक्ष में 5.70 करोड़ के नए नोट छिपाने के बाद गिरफ्तार किया था।

तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम के अध्यक्ष ने मीडिया आउटलेट्स को भेजा नोटिस

हैदराबाद (एजेंसी)। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) बोर्ड के अध्यक्ष और तेलुगु समाचार चैनल के प्रमुख, बोलिनेनी राजगोपाल नायडू ने दो मीडिया हाउस को कानूनी नोटिस भेज दिया है। उन्होंने उन पर 10 और 14 अगस्त, 2025 को प्रकाशित हुई खबरों के माध्यम से अपनी और टीटीडी बोर्ड की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाने का आरोप लगाया है। नोटिस में नायडू ने आरोप लगाया है कि वाईएसआरसीपी प्रमुख और पूर्व सीएम जगन मोहन रेड्डी के स्वामित्व वाले इन मीडिया आउटलेट्स ने दुर्भावनापूर्ण और झूठी रिपोर्टिंग की है। उनका दावा है कि यह उनके खिलाफ एक बड़ी साजिश का हिस्सा है, क्योंकि उनका मीडिया हाउस निष्पक्ष समाचार कवरेज देता है, जिससे दूसरे प्रबंधन कथित तौर पर खुश नहीं है। नायडू का कहना है कि रिपोर्टिंग से न केवल उनकी व्यक्तिगत प्रतिष्ठा को ठेस पहुँची है, बल्कि दुनिया भर में भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के भक्तों की भावनाओं को भी चोट पहुँची है। नायडू के वकील ने 18 अगस्त को साक्षी प्रबंधन को कानूनी नोटिस जारी किया था, जिसमें निम्नलिखित माँगें की गई हैं कि टीवी और समाचार पत्र को बिना शर्त माफी मांगनी होगी। और टीटीडी बोर्ड को 10 करोड़ का हर्जाना देना होगा।

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए दो सीनियर अधिकारियों को आयोग ने पर्यवेक्षक नियुक्त किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने उपराष्ट्रपति चुनाव की प्रक्रिया की निगरानी के लिए अतिरिक्त सचिव स्तर के दो सीनियर अधिकारियों को पर्यवेक्षक बनाया है। उपराष्ट्रपति पद के लिए 9 सितंबर को मतदान होना है। सत्तारूढ़ एनडीए और विपक्ष दोनों ने उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए अपने-अपने उम्मीदवारों की घोषणा की है। महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, एनडीए के उम्मीदवार हैं जबकि इंडिया ब्लॉक ने जस्टिस (सेवानिवृत्त) बी सुदर्शन रेड्डी अपना कैंडिडेट बनाया है।

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए शुक्रवार को नामांकन दाखिल करने का आखिरी दिन था, जबकि उम्मीदवार 25 अगस्त तक अपना नामांकन वापस ले सकते हैं। स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर 21 जुलाई को मॉनसून सत्र के पहले दिन जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद उपराष्ट्रपति का पद खाली हो गया था।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से खुश मेनका गांधी... आक्रामक कुत्ते की परिभाषा तय होनी चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में आवारा कुत्तों से जुड़े एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को अहम फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने 11 अगस्त के अपने पुराने आदेश को संशोधित कर कहा है कि नसबंदी और टीकाकरण के बाद कुत्तों को उसी इलाके में छोड़ा जाएगा जहां से उन्हें पकड़ा गया था। हालांकि, जिन कुत्तों में रेबीज के लक्षण हैं या जो आक्रामक व्यवहार करते हैं, उन्हें शेल्टर होम में ही रखा जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि, नसबंदी और टीकाकरण के बाद कुत्तों को वापस उसी जगह छोड़ा जाएगा, जहां से उन्हें पकड़ा गया था। जिन कुत्तों में रेबीज के लक्षण हैं या जो आक्रामक हैं, उन्हें शेल्टर में अलग रखा जाएगा। इतना ही नहीं सार्वजनिक जगहों पर कुत्तों को खाना खिलाने पर रोक रहेगी। इसके लिए नगर निगमों को हर वार्ड में फीडिंग ज़ोन बनाना होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पशुपालन विभागों के सचिवों को नोटिस जारी कर इस मुद्दे पर राष्ट्रीय स्तर की नीति बनाने के लिए सुझाव मांगे हैं। देशभर की हाई कोर्ट्स में आवारा कुत्तों से जुड़े जितने भी मामले लंबित हैं, उन्हें सुप्रीम कोर्ट में स्थानांतरित करने का आदेश दिया गया है।

वहीं सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले का पशु अधिकार कार्यकर्ताओं और डॉग लवर्स ने स्वागत किया है। पशु अधिकार कार्यकर्ता और बीजेपी नेता मेनका गांधी ने फैसले पर खुशी जताकर वैज्ञानिक फैसला बताया। उन्होंने कहा कि कुत्तों के काटने का कारण डर और विस्थापन होता है। उन्होंने जोर दिया कि आक्रामक कुत्ते की परिभाषा तय होनी चाहिए। मेनका गांधी ने फीडिंग जोन बनाने के कोर्ट के फैसले की सराहना कर बताया कि इस काम के लिए सरकार ने 2,500 करोड़ का बजट आवंटित किया है।

वहीं एक अन्य याचिकाकर्ता और सुप्रीम कोर्ट की वकील ननिता शर्मा ने फैसले को संतुलित आदेश बताया। उन्होंने कहा कि अब देशभर के आवारा कुत्तों से जुड़े मामले एक ही अदालत में सुने जाएंगे। उन्होंने अधिकारियों से कुत्तों के प्रति थोड़ा और मानवीय होने की अपील की। शेल्टर होम चलाने वाली सोनाली गाबा ने कहा कि उन्हें सुप्रीम कोर्ट पर पूरा भरोसा था कि वह उनके पक्ष में फैसला सुनाएगा। उन्होंने कहा कि हर कुत्ते को आक्रामक नहीं कहा जा सकता, इसका सबूत होना चाहिए। उन्होंने फीडिंग ज़ोन बनाने के फैसले पर खुशी जताई।

पिछला आदेश क्या था?

बता दें कि 11 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर की सड़कों को आवारा कुत्तों से पूरी तरह मुक्त करने का आदेश दिया था। उस आदेश में कहा गया था कि पकड़े गए किसी भी कुत्ते को वापस सड़कों पर नहीं छोड़ा जाएगा। यह फैसला जन-सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया था, क्योंकि अधिकारी इस गंभीर समस्या से निपटने में असफल रहे थे। हालाँकि, अब इस आदेश में बदलाव कर दिया गया है।

शरद पवार के पोते रोहित को मिली जमानत, सहकारी बैंक घोटाले में हैं आरोपी

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई की एक विशेष अदालत ने शरद पवार के पोते और एनसीपी (एसपी) विधायक रोहित पवार को जमानत दे दी। विधायक रोहित महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक घोटाले के मामले में आरोपी हैं जिसमें अदालत ने बड़ी राहत दी है। इस मामले को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दर्ज किया था। जानकारी अनुसार मुंबई की अदालत ने रोहित पवार को जमानत देते हुए यह सुनिश्चित करने को कहा है, कि वह सुनवाई के दौरान मौजूद रहेंगे। बताया गया है कि ईडी ने उनके और उनकी कंपनी बारामती एग्रो के खिलाफ आरोप पत्र तो दायर किया था, लेकिन जांच के दौरान कभी भी उन्हें गिरफ्तार नहीं किया गया था। विशेष न्यायाधीश एसआर नवंदर ने कहा, कि इस मामले में मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने पहले ही अपनी क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर दी है। इस क्लोजर रिपोर्ट पर फैसला महत्वपूर्ण है, क्योंकि जब मूल अपराध ही बंद कर दिया जाता है तो ईडी का मामला भी आगे नहीं बढ़ सकता है। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 8 अक्टूबर तक के लिए स्थगित कर दी। इस क्लोजर रिपोर्ट का ईडी ने विरोध किया है और इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग भी की है। दरअसल विशेष लोक अभियोजक सुनील गोंसाल्वेस ने तर्क देते हुए कहा, कि या तो हस्तक्षेप की अनुमति प्रदान की जाए या इसे विरोध याचिका में बदला जाए। कोर्ट ने ईडी की याचिका को खारिज करते हुए कहा, कि ईडी पहले ही बॉम्बे हाईकोर्ट में इसी तरह के खारिज किए गए मामले को चुनौती दे चुका है। इसी के साथ न्यायालय ने कहा, कि अपनी बात आप हाईकोर्ट के सामने रखें। बहरहाल कोर्ट 18 सितंबर से ईओडब्ल्यू की क्लोजर रिपोर्ट पर सुनवाई शुरू कर सकता है।

सीएम रेखा गुप्ता के कार्यक्रम में घुसा शख्स...विधायक के खिलाफ करने लगा नारेबाजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जनसुनवाई में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हुए हमले के बाद फिर उनके कार्यक्रम में बड़ी घटना हुई है। शुक्रवार को गांधीनगर में कार्यक्रम के दौरान शख्स उनके कार्यक्रम में घुसा और खूब नारेबाजी की। घटना तब की है, जब गांधीनगर विधानसभा के विधायक अरविंदर सिंह लवली कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। सीएम रेखा गुप्ता भी कार्यक्रम में मौजूद थीं। तभी शख्स कार्यक्रम में घुसा और नारेबाजी करने लगा। हालांकि पुलिस ने शख्स को हिरासत में लिया है।

शख्स की पहचान अजीत नगर निवासी प्रवीण शर्मा के तौर पर हुई है। वह 60 साल का है। उसका अजीत नगर में टीवी केबल का बिजनेस भी है। शख्स ने दावा किया है कि वह बीते 40 सालों से बीजेपी का कार्यकर्ता है। जानकारी के मुताबिक विधायक लवली जब कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, तभी प्रवीण शर्मा वहां पहुंचा और विधायक के खिलाफ नारेबाजी करने लगा।

शाहदरा के डीसीपी ने बताया कि आरोपी प्रवीण शर्मा बैरिकेड्स के पीछे और एक गली में ही था। यहां से शख्स को तुरंत पकड़ कर हटा दिया गया। किसी भी समय वीआईपी की सुरक्षा का उल्लंघन नहीं किया गया।

बात दें कि सीएम रेखा गुप्ता पर जनसुनवाई के दौरान हमला हुआ था। आरोपी राजेशभाई खिमजी ने बताया था कि उसने पहले आवारा कुत्तों को शेल्टर होम में शिफ्ट करने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के खिलाफ रामलीला मैदान में प्रदर्शन करने की योजना बनाई थी। यह योजना सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे द्वारा भ्रष्टाचार के मुद्दे पर किए गए आंदोलन की तर्ज पर थी। उधर दिल्ली पुलिस को आरोपी राजेशभाई की पांच दिन की हिरासत मिल गई है जिससे वरिष्ठ पुलिस अधिकारी पूछताछ कर रहे हैं। पुलिस उसके बयानों की पुष्टि कर रही है और बड़ी साजिश की संभावना की जांच कर रही है।

पीएम किसान योजना की 12वीं से 20वीं किस्त तक की राशि एक साथ मिलेगी

सरकार ने योजना को और बेहतर बनाने के लिए कुछ बदलाव किए

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना को लेकर सरकार ने साफ कर दिया है कि अगर आप अपने दस्तावेज दोबारा वेरिफाई कर लेते हैं, तो 12वीं से 20वीं किस्त तक की राशि यानी कुल 18,000 रुपए एक साथ आपके बैंक खाते में आ सकते हैं। ये खबर उन किसानों के लिए राहत है, जिनकी किस्तें किसी वजह से रुक गई थीं।

बता दें सरकार ने पीएम-किसान योजना को और बेहतर बनाने के लिए कुछ बदलाव किए हैं। इनमें आधार सीडिंग, ई-केवाईसी, भूमि रिकॉर्ड से लिंक करना और आधार से जुड़ा पेमेंट सिस्टम जैसे कदम शामिल हैं। अगर किसानों ने ये औपचारिकताएं समय पर पूरी नहीं कीं, तो उनकी किस्तें रोक दी गईं। पीएम किसान की 12वीं किस्त के लिए भूमि रिकॉर्ड से लिंक करना जरूरी था। वहीं, 13वीं किस्त के लिए आधार से पेमेंट सिस्टम लागू हुआ1 15वीं किस्त के लिए ई-केवाईसी अनिवार्य कर दी गई। इन नियमों की वजह से कुछ राज्यों में कई किसानों की किस्तें अटक गईं, खासकर जहां सत्यापन में देरी हुई।

अब अगर किसान इन शर्तों को पूरा करते हैं, तो रुकी हुई सारी किस्तें एकमुश्त मिल जाएंगी। कृषि राज्यमंत्री रामनाथ ठाकुर ने बताया कि जो किसान अब दस्तावेज पूरे करेंगे, उन्हें 12वीं से 20वीं किस्त तक की राशि यानी 18,000 रुपए एक साथ मिल सकते हैं। इसके लिए आपको कुछ आसान काम करने होंगे जैसे पीएम-किसान पोर्टल पर लॉगिन करें। फिर ई-केवाईसी पूरा करें। अपने आधार नंबर और बैंक खाते की लिंकिंग की पुष्टि करें। साथ ही, अपने राज्य के भूमि रिकॉर्ड को अपडेट करें और राशन कार्ड जैसे अन्य पहचान दस्तावेज वेरिफाई कराएं।

सरकार ने ये बदलाव इसलिए किए हैं ताकि योजना से जुड़ा फर्जीवाड़ा रुक जाए। इसके लिए पीएम-किसान पोर्टल को पब्लिक फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिस्टम, आधार डेटाबेस, इनकम टैक्स डिपार्टमेंट और राशन कार्ड डेटाबेस से जोड़ा गया है। इसका मकसद डुप्लीकेट खातों को हटाना, मृत लाभार्थियों के खातों को बंद करना और गलत लोगों को फायदा लेने से रोकना है, लेकिन इन बदलावों से कुछ किसानों को परेशानी हुई।

भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष हरिंदर सिंह लखोवाल ने कहा कि सरकार का ये रवैया किसानों के साथ भेदभाव जैसा है। पहले ग्रामीण विकास फंड रोक दिया और अब किसानों की सीधी मदद भी अटक रही है। 20वीं किस्त की बात करें तो पीएम मोदी ने 2 अगस्त 2025 को इसे जारी किया था। इस दौरान देशभर के लाखों किसानों के खातों में दो हजार रुपए की राशि भेजी गई।

यूट्यूबर एल्विश के घर पर गोलियां बरसाने वाले का पुलिस ने किया एनकाउंटर

गुरुग्राम। यूट्यूबर एल्विश यादव के घर पर फायरिंग करने वाले शूटर का फरीदाबाद सेक्टर 30 के थाने की क्राइम ब्रांच की टीम ने शुक्रवार को एनकाउंटर कर दिया। पुलिस की मुठभेड़ में बदमाश के पैर में गोली लगी, जिससे वह घायल हो गया। इसके बाद क्राइम ब्रांच की टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया और इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पकड़े गए बदमाश की पहचान इशांत उर्फ इशू के रूप में हुई है, जो फरीदाबाद के जवाहर कॉलोनी का रहने वाला है। ईशांत ने पुलिस को देखते ही फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए फायरिंग की और बदमाश को पकड़ लिया। जानकारी के मुताबिक ईशांत ने इस दौरान पुलिस पर करीब आधा दर्जन फायरिंग की है। बता दें बीते रविवार को यूट्यूबर एल्विश यादव के गुरुग्राम सेक्टर 57 में स्थित आवास के बाहर बाइक सवार हमलावरों ने दो दर्जन से ज्यादा गोलियां चलाईं थीं। हालांकि एल्विश के परिवार के कुछ सदस्य घर में थे। लेकिन हमले में कोई हताहत नहीं हुआ था। वहीं फायरिंग की सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और फॉरेंसिक साक्ष्य एकत्र किए तथा इलाके की सीसीटीवी फुटेज खंगाले। पुलिस ने बताया कि हमलावरों ने यादव के सेक्टर 57 स्थित घर पर दो दर्जन से ज़्यादा गोलियां बरसाईं और फरार हो गए।

मुंबई को बारिश से राहत तो राजस्थान, बिहार-बंगाल और कई राज्यों में अब मूसलाधार का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानसून अपने अंतिम चरण में पहुंच रहा और इस कारण देशभर में मौसम का रुख भी बदल रहा है। मुंबई, जहां पिछले हफ्ते मूसलाधार बारिश ने चार साल का रिकॉर्ड तोड़ने की कगार पर पहुंचा दिया था, अब राहत की सांस लेता दिखा है। मौसम विभाग के अनुसार बारिश कराने वाला सिस्टम अब आगे बढ़कर गुजरात की ओर चला गया है। इस वजह से मुंबई में रविवार तक भारी बारिश की संभावना नहीं है, हालांकि 24 अगस्त तक हल्की-फुल्की बारिश हो सकती है।

उधर, राजस्थान, बिहार, पश्चिम बंगाल, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में अगले एक हफ्ते तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। राजस्थान के दक्षिण और पूर्वी हिस्सों में पिछले 24 घंटों में हुई बारिश ने कई हफ्तों से जारी सूखे को खत्म किया है। वहीं पहाड़ी राज्यों हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 22 से 26 अगस्त के बीच मूसलाधार बारिश, भूस्खलन और बादल फटने का खतरा जताया गया है।

गुजरात और पश्चिमी तट पर अलर्ट

मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले 48 घंटों में गुजरात में भारी बारिश और तेज हवाएं चल सकती हैं। इसके बाद 25 अगस्त से फिर से मूसलाधार बारिश का नया दौर शुरू होगा। कोंकण, गोवा और दक्षिण महाराष्ट्र में भी लगातार बारिश का सिलसिला जारी रहने की संभावना है।

उत्तर भारत की स्थिति

जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा और उत्तराखंड में भी अगले 6 से 7 दिनों तक भारी बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग ने लोगों को बिजली गिरने, भूस्खलन और जलभराव जैसी घटनाओं से सतर्क रहने की सलाह दी गई है। देश के कई हिस्सों में मानसूनी बौछारें जहां लोगों के लिए राहत बनीं वहीं भारी बारिश के साथ-साथ आफत भी लेकर आई हैं। बहरहाल अब मौसम बदल रहा है, इससे राहत मिलने की उम्मीद जागी है।

यूपी में हर व्यक्ति पर चढ़ा 37,500 रुपए का कर्ज

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी की योगी आदित्यनाथ सरकार प्रदेश को एक ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था के टार्गेट के साथ लगातार आगे बढ़ रही हैं। इसके लिए प्रदेश में बुनियादी ढांचे और औद्योगिक विकास पर काम किया जा रहा है। लेकिन इन तमाम बातों के बीच यूपी पर साल दर साल कर्ज भी बढ़ता जा रहा है। जिसके चलते यूपी का हर शख्स कर्ज में डूबा है, वो भी एक या दो हजार नहीं बल्कि 37,500 रुपए का ऋणी है।

यूपी पर पिछले पांच साल में छह लाख करोड़ से बढ़कर नौ लाख करोड़ रुपए उधार होने का अनुमान है। राज्य वित्त आयोग के अनुसार, राज्य को राजस्व में 2.97 फीसदी घाटा हो रहा है। 2023-24 में राज्य सरकार पर कुल ऋण करीब 7.76 लाख करोड़ रुपये था जो वर्ष 2025-26 में 9 लाख करोड़ रुपये के पार होने का अनुमान है। ऐसे में प्रदेश के हर व्यक्ति पर 37,500 रुपए का कर्ज है। हालांकि, राज्य वित्त आयोग इसे राज्य के विकास का संकेतक बता रहा है। राज्य वित्त आयोग का मानना है कि जितना राज्य की बुनियादी चीजों में खर्च होगा, उतना ही उधार बढ़ता है। इससे साफ है कि यूपी सरकार अपने आय से ज्यादा, यानी उधार लेकर पैसे खर्च कर रही है।

उत्तर प्रदेश में बीते कुछ सालों में राज्य पर बढ़ते ऋण पर नज़र डाली जाए तो वित्त वर्ष 2021-22 में ऋण 6,21,836 करोड़ रुपये था, वित्त वर्ष 2022-23 में 6,71,134 करोड़ रुपये, वित्त वर्ष 2023-24 में 7,76,783 करोड़, वित्त वर्ष 2024-25 में 8,46,096 और 2025-26 ये बढ़कर 9,03,924 करोड़ रुपये हो गया। जानकारों को मुताबिक अगर किसी राज्य का ऋण ज्यादा होता है तो उसका सीधा दबाव विकासशील अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। इससे ऋण पर लगने वाला ब्याज का ज्यादा भुगतान होता है, जिसका असर अर्थव्यवस्था पर पड़ता हैं। जहां तक उत्तर प्रदेश की बात है तो राज्य के विकास के लिए इसका संतुलन बनाना जरूरी है।

मंदिर की घंटी बजाकर वोट लेते हैं और संसद की घंटी बजाकर लोकतंत्र बेच देते हैं: जीतू पटवारी

- भाजपा-जेडीयू भाई भाई- वोट चोरी, से सरकार बनाई, बिहारी सबक सिखाएँगे- वोट चोर को हराएँगे

भागलपुर, (एजेंसी)। 'वोट अधिकार यात्रा' के छठे दिन बिहार के अकबरनगर, भागलपुर में आयोजित संयुक्त प्रेस वार्ता में कांग्रेस-राजद महागठबंधन के नेताओं ने भाजपा-जेडीयू पर सीधा और करारा हमला बोला। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष जितु पटवारी ने भाजपा के विकास मॉडल को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि इनके पास किसान नीति नहीं, रोजगार योजना नहीं, शिक्षा का खाका नहीं। इनके पास है तो सिर्फ़ जुमलों का गठ्ठर और झूठ का थैला। पटवारी ने कहा-'ये लोग जनता को पेड़ लगाने के नाम पर वोट माँगते हैं और चुनावी सभा के लिए हज़ारों पेड़ काट डालते हैं। यही है भाजपा का 'ग्रीन इंडिया'। ये लोग मंदिर की घंटी बजाकर वोट लेते हैं और संसद की घंटी बजाकर लोकतंत्र बेच देते हैं।'

विकासशील इंसान पार्टी के अध्यक्ष मुकेश सहनी ने कहा कि भाजपा अब जनता के भरोसे को अपनी जेबखर्च की तरह इस्तेमाल कर रही है। किसानों से वादे करके उनके पसीने का दाम लूट लिया, युवाओं को नौकरी का झांसा देकर बेरोज़गारी का पहाड़ खड़ा कर दिया, और अब जनता के वोट को अपनी प्राइवेट कंपनी का टोकन बना दिया। सहनी ने तंज़ कसते हुए कहा-'भाजपा का असली काम अब सिर्फ़ जनादेश की डकैती है, यह पार्टी चुनाव लड़ने नहीं आती, यह चुनाव लूटने आती है।'

राजद सांसद संजय यादव ने भाजपा को सीधे निशाने पर लेते हुए कहा कि यह सिर्फ़ एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि लोकतंत्र की सबसे बड़ी ठगी कंपनी है। उन्होंने कहा-'चुनाव आयोग अब इनके लिए बैक ऑफ़िस का काम करता है, और जनता के वोट इनके लिए मुफ्त की लूट है। भाजपा का नया नाम होना चाहिए-'वोट चोर कंपनी प्राइवेट लिमिटेड', जिसमें मालिक नरेंद्र मोदी, एजेंट अमित शाह और ठेकेदार उनके मुख्यमंत्री हैं।' उन्होंने तीखा व्यंग्य करते हुए कहा-'ये वही लोग हैं जो किसानों को एमएसपी से लूटते हैं, युवाओं को परीक्षा-पेपर लीक से धोखा देते हैं, और चुनाव आयोग को अपनी जेब में रखकर लोकतंत्र का तमाशा बनाते हैं।'

कांग्रेस प्रवक्ता अनुपम कुमार ने भाजपा की राजनीति को एक बड़ा धोखा बताते हुए कहा-'इनकी क्रोनोलॉजी बहुत साफ़ है- पहले विधायक चोरी, फिर वोट चोरी और अब पूरा राज्य सरकार चोरी। भाजपा का नारा है 'जो बिकेगा वही टिकेगा'। यह पार्टी एक वॉशिंग मशीन है, जिसमें अपराधी घुसते ही संत बन जाते हैं, और ईमानदार आवाज़ें अंदर जाते ही देशद्रोही कहलाने लगती हैं।' अनुपम ने चुटकी लेते हुए कहा कि भाजपा लोकतंत्र को 'डिस्काउंट सेल' में बेच रही है, जहाँ विधायक बोली लगाकर खरीदे जाते हैं, मुख्यमंत्री गिफ्ट पैक में दिए जाते हैं और चुनाव आयोग बोनस में मिलता है।

सीपीआई के राष्ट्रीय सचिव डॉ. गिरीश कुमार ने कहा कि बिहार की जनता अब भाजपा के झूठ और जुमलों को पहचान चुकी है और इस बार भाजपा को करारा जवाब देगी। इस प्रेस वार्ता में अभय दुबे (एआईसीसी मीडिया प्रभारी, बिहार) और राजेश राठौर (कांग्रेस मीडिया चेयरमैन, बिहार) भी उपस्थित रहे।

वंदे भारत प्रोजेक्ट में जुपिटर वैगन्स को 215 करोड़ का बड़ा ऑर्डर

- कंपनी ने अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने की योजना भी साझा की

मुंबई ।

रेलवे मोबिलिटी सॉल्यूशन कंपनी जुपिटर वैगन्स लिमिटेड को वंदे भारत ट्रेन परियोजना के तहत एक बड़ा ऑर्डर प्राप्त हुआ है। कंपनी की सब्सिडियरी जुपिटर तात्रावगोंका रेलव्हील फैक्ट्री प्राइवेट लिमिटेड को 19 अगस्त को इस संबंध में लेटर आफ इंटेंट मिला। इस ऑर्डर के तहत कंपनी को 5,376 आधुनिक व्हीलसेट (2,688 मोटर और 2,688 ट्रेलर) सप्लाई करने हैं, जिसकी कुल वैल्यू लगभग 215 करोड़ रुपए है। कंपनी का कहना है कि ये हाई-स्पीड व्हीलसेट वंदे भारत ट्रेनों की सुरक्षा, गति और स्थायित्व को सुनिश्चित करेंगे। जुपिटर वैगन्स के मुताबिक, यह ऑर्डर भारत के तेजी से बढ़ते हाई-स्पीड रेल नेटवर्क में उनकी भूमिका को दर्शाता है। सरकार के वंदे भारत विस्तार मिशन में यह योगदान बेहद अहम माना जा रहा है। इसके साथ ही, कंपनी ने अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने की योजना भी साझा की है। ओडिशा में एक नई फैक्ट्री का निर्माण किया जा रहा है, जिससे फोर्ज्ड व्हीलसेट की

सालाना क्षमता 20,000 से बढ़कर 1,00,000 तक हो जाएगी। इस विस्तार में 2,500 करोड़ रुपए का निवेश होगा और इसे 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य है। इस खबर के बाद कंपनी के शेयर में तेजी देखी गई और यह 4.1 फीसदी चढ़कर 343.45 पर बंद हुआ। वर्तमान में कंपनी का मार्केट कैप 14,579 करोड़ रुपए के आसपास है। जुपिटर वैगन्स भारत की रेल इंडस्ट्री में एक मजबूत खिलाड़ी बनकर उभर रही है।

जेआईसीए ने ग्लोबल सप्लाई चेन फंड में 4 करोड़ डॉलर का निवेश किया

- एशिया-अफ्रीका में व्यापार को मिलेगा बढ़ावा

मुंबई ।

जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (जेआईसीए) ने शुक्रवार को आविष्कार कैपिटल के ग्लोबल सप्लाई चेन सपोर्ट फंड में 4 करोड़ अमेरिकी डॉलर के निवेश की घोषणा की। यह निवेश भारत, अफ्रीका और एशिया के उभरते बाजारों में आपूर्ति श्रृंखला को सशक्त करने और स्थानीय उद्यमों को सहयोग देने के उद्देश्य से किया गया है। आविष्कार कैपिटल के अनुसार इस निवेश से जेआईसीए को भारत के साथ-साथ अफ्रीका और एशिया में भी विस्तार करने में मदद मिलेगी, जिससे व्यापक हिंद महासागर क्षेत्र और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को मजबूती मिलेगी। इस निर्णय की घोषणा जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने जापान के योकोहामा में आयोजित टीआईसीएडी-9 (अफ्रीकी विकास पर टोक्यो अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन) के दौरान की। इस अवसर पर हिंद महासागर में आर्थिक भागीदारी - अफ्रीका फोरम का आयोजन भी किया गया। जेआईसीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह निवेश भारत-जापान की मजबूत साझेदारी को और आगे बढ़ाएगा और अफ्रीका व एशिया में सतत विकास को प्रोत्साहित करेगा। उन्होंने इसे जेआईसीए और आविष्कार कैपिटल के बीच सहयोग के एक नए अध्याय की शुरुआत बताया। यह कदम वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में स्थायित्व और विविधता लाने की दिशा में एक रणनीतिक पहल माना जा रहा है।

देश में दूध का उत्पादन पांच फीसदी बढ़ने की संभावना

वित्त वर्ष 24 में दूध उत्पादन 3.78 फीसदी बढ़कर 239.3 मिलियन टन तक पहुंचा

नई दिल्ली ।

भारत में डेयरी उद्योग तेजी से बढ़ रहा है और आने वाले कुछ वर्षों में दूध उत्पादन सालाना 5 फीसदी की दर से बढ़ने की संभावना है, जो वैश्विक औसत से कहीं अधिक है। एक रिपोर्ट के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025 में भी दूध उत्पादन में 5 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। वित्त वर्ष 24 में भारत का कुल दूध उत्पादन 3.78 फीसदी बढ़कर 239.3 मिलियन टन तक पहुंच गया। डेयरी उद्योग ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। खासकर छोटे और सीमांत किसान तथा महिलाएं इस क्षेत्र की मजबूत आधारशिला हैं। ये किसान डेयरी के माध्यम से अपनी आय बढ़ा रहे हैं, जिससे ग्रामीण आर्थिक विकास को भी मजबूती मिली है। ` वित्त वर्ष 24 में दूध उत्पादन कुल कृषि उत्पादन का लगभग 19.8 फीसदी हिस्सा था। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि भारत में प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता और खपत में वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 20 से 24 के बीच प्रति व्यक्ति दूध की खपत में 3.9 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, जबकि 24 में औसतन हर व्यक्ति के लिए

471 ग्राम दूध प्रतिदिन खपत हुई, जो 20 में 406 ग्राम थी। घरेलू खपत दूध और डेयरी उत्पादों की मांग का मुख्य कारण है। विशेषज्ञों के अनुसार वित्त वर्ष 27 तक डेयरी उत्पादों का उत्पादन 10.8 फीसदी की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से बढ़कर 4,200.6 बिलियन तक पहुंच सकता है। सहकारी समितियां और संगठित क्षेत्र दूध की खरीद में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। भारत में कुल दूध उत्पादन का लगभग 63 फीसदी बिक्री के लिए होता है, जिसमें से 32 फीसदी हिस्सा संगठित क्षेत्र के पास है।` वित्त वर्ष 24 में सहकारी समितियों ने अकेले 24 मिलियन टन दूध का प्रबंधन किया और किसानों को उनकी दूध की कीमत का 80-82 फीसदी सीधे भुगतान किया, जिससे उन्हें नियमित और समय पर आय प्राप्त होती है। यह रिपोर्ट भारतीय डेयरी उद्योग की मजबूती और ग्रामीण विकास में इसके योगदान को उजागर करती है।

आंध्र प्रदेश को लॉजिस्टिक्स हब बनाएगी सरकार

- बंदरगाह विकास में 9,000 करोड़ का होगा निवेश

अमरावती ।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने बताया कि आंध्र प्रदेश की 1,053 किलोमीटर लंबी तटरेखा को देखते हुए सरकार ने हर 50 किलोमीटर पर एक बंदरगाह या हार्बर विकसित करने की रणनीति बनाई है। उन्होंने हाल ही में यह बात आंध्र प्रदेश मैरीटाइम बोर्ड और एक वैश्विक शिपिंग एवं पोर्ट मैनेजमेंट कंपनी की सहायक इकाई के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षर समारोह में कही। इस समझौते के तहत लगभग 9,000 करोड़ रुपये के निवेश से रामयपट्टनम, मछलीपट्टनम और मुलपेटा बंदरगाहों का विकास और आधुनिकीकरण किया जाएगा। कंपनी इन बंदरगाहों पर आधुनिक टर्मिनल और कार्गो हैंडलिंग सिस्टम स्थापित करेगी। इस पहल से लगभग 10,000 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलने की उम्मीद है। राज्य सरकार का कहना है कि आंध्र प्रदेश को ईस्ट कोस्ट गेटवे के रूप में विकसित करने का लक्ष्य अब हकीकत बनता जा रहा है। मुख्यमंत्री नायडू ने जोर देकर कहा कि कंपनी की सेवाओं से न केवल अंतरराष्ट्रीय बल्कि घरेलू कार्गो परिवहन को भी लाभ मिलना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि बंदरगाहों के आसपास आर्थिक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित किया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य का लक्ष्य विश्वस्तरीय बंदरगाहों और लॉजिस्टिक्स के माध्यम से आंध्र प्रदेश को भविष्य के लिए तैयार अर्थव्यवस्था बनाना है। नायडू ने कंपनी से रेल, सड़क, अंतर्देशीय जलमार्ग और हवाई मार्गों के जरिए एकीकृत कार्गो परिवहन योजना तैयार करने में सहयोग देने का भी अनुरोध किया। इस अवसर पर मंत्री बी.सी. जनार्दन रेड्डी, मैरीटाइम बोर्ड के चेयरमैन दमचारला सत्य, उद्योग विभाग के सचिव युवराज, वरिष्ठ अधिकारी और कंपनी के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

संसद में पारित हुआ ऑनलाइन गेमिंग विनियमन विधेयक

- ई-स्पोर्ट्स को मिलेगा बढ़ावा, मनी गेम्स पर लगेगी रोक

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद के दोनों सदनों में पारित ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन विधेयक, 2025 की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह विधेयक भारत को गेमिंग, नवाचार और रचनात्मकता का केंद्र बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर लिखा कि यह कानून ई-स्पोर्ट्स और ऑनलाइन सोशल गेम्स को प्रोत्साहन देगा और समाज को ऑनलाइन मनी गेम्स के दुष्प्रभावों से सुरक्षित रखेगा। राज्यसभा में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा पेश किए गए इस विधेयक का उद्देश्य है धन आधारित और सट्टा आधारित ऑनलाइन गेम्स पर रोक लगाना और युवाओं के लिए एक सुरक्षित व रचनात्मक गेमिंग वातावरण तैयार करना। यह कानून समाज, विशेषकर युवाओं और संवेदनशील वर्गों को आर्थिक, मानसिक, और निजता से जुड़े खतरों से बचाने के उपाय करता है। विधेयक में लोक व्यवस्था, जनस्वास्थ्य और वित्तीय प्रणाली की सुरक्षा सुनिश्चित करने का भी प्रावधान है। इसके अलावा यह अवैध सट्टेबाजी और विदेशी वेबसाइटों से चलने वाले मनी गेम्स पर सख्त नियंत्रण लगाएगा। सरकार का उद्देश्य है कि भारत में ऑनलाइन गेमिंग उद्योग को एक सुनियोजित, पारदर्शी और जिम्मेदार फ्रेमवर्क के तहत विकसित किया जाए। साथ ही ई-स्पोर्ट्स और शैक्षणिक खेलों को सुरक्षित वातावरण प्रदान कर उन्हें नवाचार

और रोजगार के अवसरों से जोड़ा जाए। यह विधेयक भारत के डिजिटल भविष्य को सुरक्षित और समावेशी बनाने की दिशा में एक अहम पहल मानी जा रही है।

रुपया गिरावट के साथ बंद हुआ

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया 25 पैसे की गिरावट के साथ 87.50 पर बंद हुआ। इसकी वजह डॉलर का मजबूत होना और एफआईआई की बिकवाली को माना जा रहा। मजबूत मांग के बीच शुक्रवार को भारतीय रुपया 11 पैसे टूटकर 87.36 प्रति डॉलर पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 87.37 पर खुला और जल्द ही 87.36 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद स्तर 87.25 से 11 पैसे की गिरावट दिखता है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार वैश्विक स्तर पर डॉलर की मजबूती और विदेशी निवेशकों की बिकवाली से रुपये पर दबाव बना है। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और सीमित विदेशी पूंजी प्रवाह के चलते रुपये में ज्यादा गिरावट नहीं हुई। डॉलर सूचकांक, जो छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति को दर्शाता है, 0.10 फीसदी की बढ़त के साथ 98.72 पर पहुंच गया। इससे अमेरिकी मुद्रा की मजबूती और स्पष्ट हो गई है।

torrent POWER DNHDD

बिजली बंद होने की सुचना

उपभोक्ताओं को निर्बाध और गुणात्मक बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए नेटवर्क रखरखाव की योजना बनाई गई है । निम्न दर्शित संबंधित सबस्टेशनों से ग्राहको को मिलने वाली बिजली सुबह १०:०० से शाम ६:०० बजे तक आपूर्ति बंद रहेगी । कृपया तदनुसार आपकी गतिविधियों की योजना बनाएं । हालांकि, बिजली आपूर्ति निर्धारित समय से पहले शुरू करने के सभी प्रयास किए जाएंगे ।

दिनांक एवं वार	सबस्टेशन	फीडर	क्षेत्र का नाम
२६/०८/२०२५ मंगलवार	खरडपाडा	११ केवी नारोली टाउन-१ FDR	भैरवी रिसॉर्ट-टीआर, वड फलिया-टीआर, महादेव सर्विस स्टेशन-टीआर, प्रथमेश पेट्रोल पंप-टीआर, होटल आम्रपाली चेक पोस्ट के पास-टीआर, नवा फलिया-टीआर, टेकरी फलिया जियो टावर-टीआर के पास, आकाश मार्बल-टीआर, रुक्ष्मणि सिंटेक्स प्रा.लि., मार्मो ग्रेनाइट इंटरनेशनल-टीआर, एबुलिएंट पैकेजिंग प्रा.लि. एचटी, नवा फलिया केम्प गोमानसीन-टीआर, कश्यप स्वीटनर-टीआर
३०/०८/२०२५ शनिवार	मसाट	११ केवी मसाट ईन्डस्ट्रीयल-III (FDR)	गायत्री इन्जी, तेजस एग्रो, तेजस एग्रो प्रोडक्ट, शखला पोलीमर, केतकी, मेघना पैकेजिंग, पीएस पॉलिएस्टर, सिद्धि प्लास्ट-१ और २, किशोर इन्जी, यूनिक वायर, टीसीपीएल पैकेजिंग, सिंटेक्स तपरिया, सनड्रोज, रोयल एचटी, डालमिया पोलीफेब एचटी, लकबीर एचटी, केके कंपाउंड एचटी, शंकर एचटी, शीतल पॉली प्लास्ट, मसाट ईन्डस्ट्रीयल विस्तार
		११ केवी सायली रुद्धर (FDR)	सनी ड्रग्स, आशिपोलिमर, ओआईडीसी एचटी, श्री रंग इंडस्ट्रीज एचटी, पार्थ पैथोलॉजी, मंगल केनाल, चोकीपाडा, प्लॉटपाडा, पारसीपाडा, विजलपाडा, जगन्नाथ मंदिर, भोयपाडा, होटल किंग, पीटीएस एचटी, पीटीएस ट्रेनिंग स्कूल, कोकनपाडा, नवनीत एचटी, साई मंदिर, केमको केनाल, वर्धमान एचटी, जरीपाडा, आलोक सिटी-१ और २, आलोक स्कूल

असुविधा के लिए खेद है

आरसीसीबी/ईएलसीबी का प्रमुख लाभ
आपके परिवार की सुरक्षा का वादा
अर्थ लीकेज सर्किट ब्रेकर स्थापित करें और सुरक्षित रहें
एक छोटी सी डिवाइस आपको बिजली के झटको से बचाएगी

आपकी सेवा में सदैव उपस्थित
24/7 Helpline 9099991912, 18002339500, 19126, 18002705551
connect.torrentpower.com
connect.dnhdd@torrentpower.com

अमृत भारत एक्सप्रेस: आधुनिक भारत की किफायती और आरामदायक ट्रेन

पटना, (ईएमएस)। अमृत काल में भारतीय रेल ने अपने यात्रियों को कई बड़ी सौगात दी है, उसमें से एक है अमृत भारत एक्सप्रेस। एक ऐसी ट्रेन जो यात्रियों की अत्याधुनिक सुविधाओं और किफायती यात्रा की नई परिकल्पना का प्रतीक है। आज देश में अलग-अलग रुटों पर 9 अमृत भारत ट्रेनें अपनी सेवाएं दे रही है। इस ट्रेन का सबसे बड़ा आकर्षण इसकी डिज़ाइन और सुविधाएं हैं। यह स्वदेशी ट्रेन आत्मनिर्भर भारत की भावना को और मजबूत करती है। इसकी पहचान तीन पहलुओं में छिपी है - यात्रियों की सुविधा, ऊर्जा की बचत और पर्यावरण के प्रति सजगता। यही कारण है कि यह ट्रेन देश के बदलते स्वरूप की झलक पेश करती है। पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र कहते हैं कि, वर्तमान में देश में 9 अमृत भारत एक्सप्रेस चल रही हैं। जिसमें दरभंगा-आनंद विहार टर्मिनल, सहरसा-लोकमान्य तिलक टर्मिनस, राजेंद्रनगर टर्मिनल-नई दिल्ली, बापूधाम मोतिहारी-आनंद विहार टर्मिनल, दरभंगा-गोमतीनगर, मालदा टाउन-गोमतीनगर, सीतामढ़ीझदिल्ली और मालदा टाउन-सर एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल बेंगलूरु। वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को गया से दिल्ली के लिए अमृत भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया है। इसकी बढ़ती लोकप्रियता की वजह से जल्द ही सहरसा-अमृतसर, छपरा-दिल्ली

और मुजफ्फरपुर-हैदराबाद अमृत भारत एक्सप्रेस भी यात्रियों की सेवा में जुड़ेंगी। अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की शुरूआत करते हुए प्रधानमंत्री जी ने कहा था कि वंदे भारत और नमो भारत के बाद एक और आधुनिक ट्रेन देश को मिली है। इस नई ट्रेन का नाम अमृत भारत ट्रेन रखा गया है। वंदे भारत, नमो भारत और अमृत भारत ट्रेनों की यह त्रिशक्ति भारतीय रेल का कायाकल्प करने जा रही है। जो कि अब चरितार्थ हो रही है। तकनीकी दृष्टि से भी अमृत भारत एक्सप्रेस अत्यंत सुरक्षित है। कवच सिस्टम से लैस इस ट्रेन में सेमी ऑटोमैटिक कपलर, क्रैश ट्यूब और एढ-असिस्टेड ब्रेक सिस्टम लगाए गए हैं, जिससे आपात स्थिति में तुरंत ब्रेक लग सके। सभी कोच पूरी तरह से सील्ड गैंगवे और वैक्यूम एवैक्यूएशन सिस्टम से लैस हैं। पहली बार नॉन-एसी कोच में फायर डिटेक्शन सिस्टम की सुविधा दी गई है, जो यात्रियों की सुरक्षा में क्रांतिकारी कदम है। इसके अलावा टॉकबैक यूनिट और गार्ड रूम में रिस्पॉन्स यूनिट सुरक्षा को और मजबूत बनाते हैं। यात्रा के दौरान आराम का विशेष ख्याल रखा गया है। ट्रेन में सेमी-ऑटोमैटिक कपलर का उपयोग किया गया है, जिससे कोच जोड़ते या अलग करते समय झटका या शोर नहीं होता। डिफॉर्मेशन ट्यूब दुर्घटना की स्थिति में झटका कम कर देती है। पुश-पुल तकनीक इसकी रफ्तार को बढ़ाने में मदद करती है। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कोचों में कई आधुनिक फीचर जोड़े गए हैं। फोल्डेबल स्नैक्स टेबल, मोबाइल होल्डर, बॉटल होल्डर, रेडियम फ्लोर स्ट्रिप्स, आरामदायक सीटें और बेहतर बर्थ इसमें शामिल हैं। हर शौचालय में इलेक्ट्रो-न्यूमेटिक फ्लशिंग प्रणाली, ऑटोमेटिक सोप डिस्पेंसर और फायर सप्रेशन सिस्टम जैसी सुविधाएँ दी गई हैं। दिव्यांगजनों के लिए भी विशेष शौचालय उपलब्ध कराए गए हैं। साथ ही, हर यात्री के लिए फास्ट चार्जिंग पोर्ट और पेन्ट्री कार जैसी सुविधाएँ यात्रा को और सुखद बनाती हैं। अमृत भारत एक्सप्रेस से करीब 1000 किलोमीटर तक की यात्रा लगभग 450 रुपये में की जा सकती है, जो इसे आम जनता के लिए सुलभ बनाती है। अमृत भारत एक्सप्रेस उस सोच की परिचायक है, जो बताती है कि अब देश की रेल यात्रा आधुनिक सुविधाओं और किफायती दरों के साथ एक नए युग में प्रवेश कर चुकी है।

संघ प्रदेश दादरा और नगर हवेली एवं दमण और दीव प्रशासन

लोक निर्माण विभाग – दीव

निविदा आमंत्रण सुचना

एम.डी.आर.-1 सड़क के साथ नागोआ, दीव स्थित पी.आर.एफ. के सर्वे नंबर 179 एवं 180 पर चेनलिंक बाड़बंदी का निर्माण

For details please scan
https://ddtenders.gov.in
eepwd-diu-dd@nic.in
02875-252294

निविदा सूचना सं. एवं पहचान सं.	:	17/2025-2026 (2025_DIUDT_4400_1)
प्री-बिड मीटिंग की तिथि	:	--
डाउनलोड करने की अंतिम तिथि	:	26/08/2025
ऑनलाइन करने की तिथि	:	26/08/2025
बोली खुलने की तिथि	:	26/08/2025

कार्यपालक अभियंता, लोक निर्माण विभाग, निर्माण विभाग-२, दीव.

NO:IP/DMN/2/5/2025-26/728 DATE:- 22/08/2025

संघ प्रदेश दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव

लोक निर्माण विभाग - दमन

निविदा आमंत्रण सूचना

पैदल यात्री पुल, मोटी दमन पर फैब्रिकेशन/केबल बिछाने/जेबी स्थापना आदि के बाद एलईडी लाइट फिक्सचर के साथ संशोधित स्ट्रीट लाइट पोल की स्थापना के संबंध में। (L-47618)

टेंडर आईडी नंबर : 2025_DAMAN_4412_1

For details please scan
https://ddtenders.gov.in

प्रीबिड मीटिंग की तारीख	: ---
डाउनलोड करने की अंतिम तिथि	: 26/08/2025
हार्ड कॉपी जमा करने की अंतिम तिथि	: 26/08/2025
बोली खुलने की तिथि	: 26/08/2025

कार्यपालक अभियंता,लो.नि.वि., दमण,

NO:IP/DMN/2/5/2025-26/731 DATE:- 22/08/2025

CHANGE OF NAME

OLD NAME - NITA NITESHSINH PADHIYAR
NEW NAME - NITABEN NITESHSINH PADHIYAR
ADRESS :- FLAT NUMBER G-04, BILDING NO.B2-B DEEP COMPLEX, BRAHMAN FALIYA, NAROLI, 396235, DADRA NAGAR HAVELI

CHANGE OF NAME

OLD NAME - NAJAMA RAZAK SHAIKH
NEW NAME - NAZMA RAZAK SHAIKH
ADDRESS - FLAT NO-02,BALOCH COMPLEX, NEAR MUKTA HOSPITAL, SILVASSA, DADRA NAGAR HAVELI 396230

CHANGE OF NAME

OLD NAME: BHANDARI MITALKUMARI HARISHBHAI AND MITALKUMARI
NEW NAME: BHANDARI MITALBEN NARESHBHAI.
ADDRESS :- 164-5, KACHHAL FALIA, KACHIGAM, NANI DAMAN, DAMAN- 396 210.

विकराल होते आनलाइन गेम पर नियंत्रण का कानून सराहनीय

ललित गर्ग

आज स्थिति यह है कि ऑनलाइन गेमिंग की लत केवल समय और धन की बबार्दी ही नहीं कर रही, बल्कि सामाजिक और पारिवारिक रिश्तों में भी तनाव और विघटन का कारण बन रही है। स्कूल और कॉलेज के छात्र अपनी पढ़ाई की उपेक्षा कर इस आभासी दुनिया में डूबते जा रहे हैं।

इंटरनेट के विस्तार ने आधुनिक दौर में जीवन को अनेक सुविधाएं दी हैं, लेकिन इसके साथ ही कुछ नए गंभीर संकट भी पैदा किए हैं। इनमें सबसे गंभीर संकटों में से एक है ऑनलाइन गेमिंग या कहें तो मनी गेमिंग की बढ़ती लत। यह सच है कि गेमिंग मनोरंजन का साधन हो सकती है, पर जब इसमें धन का जुड़ाव होता है, तब यह सीधा-सीधा जुए एवं सट्टे के रूप में बदल जाती है। यह एक कड़वी सच्चाई है कि ऑनलाइन मनी गेमिंग यदि लत बन जाए तो यह संपन्न व्यक्ति एवं परिवार को भी कंगाल कर सकती है। एक आंकड़े के अनुसार देश में एक साल में 45 करोड़ लोगों ने बीस हजार करोड़ गवां दिये हैं। सब कुछ गंवा कर आत्महत्या करने के मामले भी प्रकाश में आते रहे हैं। सवाल इन लालच बेचने एवं जगाने वाली मनी गेमिंग की पारदर्शिता को लेकर भी उठते रहे हैं। इन्हीं चिंताओं एवं त्रासद विडम्बनाओं के बाद ऑनलाइन गेमिंग पर नियंत्रण का एक विधेयक भारत सरकार इसी मानसून सत्र में ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन विधेयक 2025 लेकर आई है। जिसे अब गंभीर चर्चा के बिना संसद ने पारित भी कर दिया है। यह विधेयक पैसे से खेले जाने वाले किसी भी ऑनलाइन गेम को गैरकानूनी घोषित करता है। यह स्वागत योग्य कदम है, क्योंकि गेमिंग के नाम पर अरबों रुपए का लेन-देन और करोड़ों युवाओं की मानसिक शांति को नष्ट करने वाली प्रवृत्ति दिनोंदिन विकराल रूप ले रही है।

आज स्थिति यह है कि ऑनलाइन गेमिंग की लत केवल समय और धन की बबार्दी ही नहीं कर रही, बल्कि सामाजिक और पारिवारिक रिश्तों में भी तनाव और विघटन का कारण बन रही है। स्कूल और कॉलेज के छात्र अपनी पढ़ाई की उपेक्षा कर इस आभासी दुनिया में डूबते जा रहे हैं। युवा वर्ग का एक बड़ा हिस्सा रात-दिन गेमिंग में डूबा रहता है, जिससे उनके व्यक्तित्व और भविष्य पर गहरा नकारात्मक असर पड़ रहा है। यह संकट केवल आर्थिक ही नहीं, मानसिक और सामाजिक भी है। दिन-रात स्क्रीन से चिपके रहने वाले युवक चिड़चिड़ापन, अवसाद और एकाकीपन का शिकार हो रहे हैं। उनमें हिंसक प्रवृत्तियां भी उभर रही हैं। कई ऐसी खबरें भी आ चुकी है, जिनमें लगातार आनलाइन गेम खेलते रहने से मना करने पर कोई किशोर हिंसक हो गया और उसने या तो आत्महत्या कर ली या फिर किसी की जान ले ली। ऑनलाइन गेमिंग से जुड़ी लत रिश्तों को तोड़ रही है, दोस्ती और पारिवारिक बंधनों

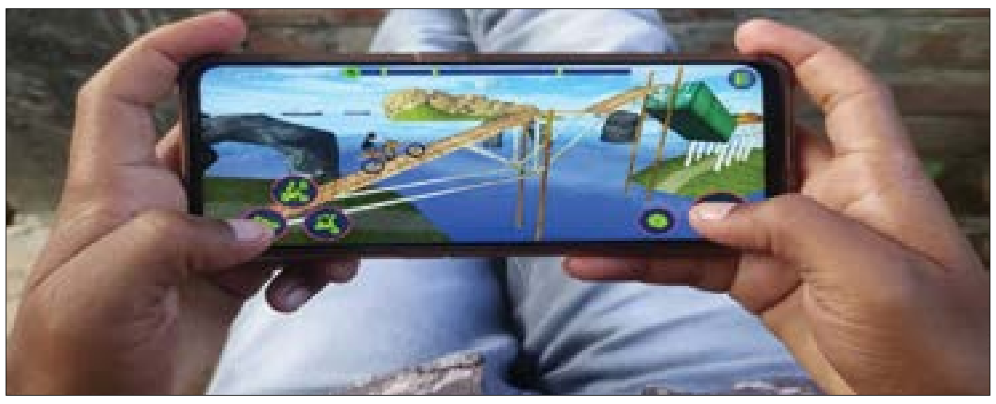

को कमजोर कर रही है। एक पूरी पीढ़ी, जिसे राष्ट्रनिर्माण की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए था, अपनी ऊर्जा और रचनात्मकता इस आभासी जुए में गँवा रही है।

सरकार के मुताबिक, वह ई-स्पोर्ट्स और सोशल गेमिंग को बढ़ावा देने के लिये अवश्य उत्सुक है, जिसमें कोई वित्तीय जोखिम न हो। यहां उल्लेखनीय है कि ऑनलाइन गेमिंग का वार्षिक राजस्व 31,000 करोड़ रुपये से अधिक है। इसके साथ ही यह हर साल प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों के रूप में बीस हजार करोड़ रुपये से अधिक का योगदान देता है। लेकिन इसके साथ चिंता का विषय यह भी है कि सुनहरे सब्जबाग दिखाने वाले कई ऑनलाइन गेमिंग एप लत, खेलने वाले आम लोगों के आर्थिक नुकसान और मनी लॉन्ड्रिंग को भी बढ़ावा देते हैं। यही वजह है कि ऑनलाइन गेमिंग में अपनी जमा पूंजी लुटाने वाले बदकिस्मत उपयोगकर्ता नाकामी के बाद आत्महत्या तक करने को मजबूर हो जाते हैं। निस्संदेह सरकार ने राजस्व की परवाह न करते हुए ऑनलाइन मनी गेमिंग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाकर एक बड़ा जोखिम भी उठाया है। लेकिन सवाल यह भी है कि क्या केवल कानून से इस प्रवृत्ति पर अंकुश लग सकेगा? इंटरनेट का विस्तृत दायरा और विदेशी ऑनलाइन ऑपरेटर विधेयक के प्रमुख उद्देश्यों को विफल करने की कोशिश कर सकते हैं। यह नितांत अपेक्षित है कि वित्तीय प्रणालियों की अखंडता के साथ-साथ राष्ट्र की सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा होनी चाहिए। माना जा रहा है कि इस नये कानून को बनाने की जरूरत संभवतः छह हजार करोड़ रुपये वाले महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी घोटाले के बाद महसूस की गई। जिसकी जांच सीबीआई और ईडी कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ के कुछ शीर्ष राजनेताओं और नौकरशाहों पर सट्टेबाजी एप के यूएई स्थित प्रमोटरों के साथ संबंध होने के आरोप लगे हैं। जो कथित तौर पर हवाला कारोबार और विदेशों में धन-शोधन के कार्यों में लिप्त बताये जाते हैं।

भारत सरकार का यह कदम इसलिए भी जरूरी एवं प्रासंगिक है कि इस उद्योग का टर्नओवर कई आर्थिक, राष्ट्रीय एवं सामाजिक विसंगतियों के साथ कई हजार करोड़ तक पहुंच गया है। विदेशी कंपनियां भी इस क्षेत्र में सक्रिय होकर भारतीय युवाओं को लुभाने के लिए तरह-तरह के विज्ञापन और प्रलोभन दे रही हैं। इन मंचों पर जीतने की लालच में फंसकर युवा अपने उज्ज्वल भविष्य को दांव पर लगा रहे हैं। यह प्रवृत्ति केवल व्यक्तिगत जीवन नहीं बिगाड़ती, बल्कि राष्ट्र की प्रगति में भी बाधक है, क्योंकि जिन युवाओं को शिक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और राष्ट्रनिर्माण में योगदान देना चाहिए, वे अपना समय और ऊर्जा इन आभासी खेलों में गवां रहे हैं। आज जरूरत है कि ऑनलाइन गेमिंग की इस समस्या को केवल कानूनी दायरे में ही नहीं, बल्कि सामाजिक और पारिवारिक स्तर पर भी गंभीरता से लिया जाए। अभिभावकों को चाहिए कि वे बच्चों को समय पर समझाएं, उनका मार्गदर्शन करें और उन्हें सकारात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित करें। समाज को भी मिलकर यह संकल्प लेना होगा कि मनोरंजन के नाम पर फैल रहे इस जुए की घातक एवं विध्वंसक संस्कृति को बढ़ावा न दिया जाए।

यह ठीक है कि सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग को नियंत्रित करने का प्रस्ताव पारित कर एक सही दिशा में सराहनीय कदम बढ़ाया है, लेकिन कानून से भी अधिक जरूरी है जागरूकता। जब तक लोग स्वयं यह नहीं समझेंगे कि गेमिंग का यह जुआ उनके भविष्य को तबाह कर रहा है, तब तक समस्या का समाधान संभव नहीं है। इसलिए अब समय आ गया है कि हम मनोरंजन के नाम पर छल रही इस प्रवृत्ति का पदार्फाश करें और अपने युवाओं को सुरक्षित, रचनात्मक और सकारात्मक भविष्य की राह पर अग्रसर करें। असंख्य परिवारों को आज अपने बच्चों की इस आदत के कारण कर्ज और बबार्दी में अंधेरों में जाने से बचाये। खेल के नाम पर ऑनलाइन मंचों पर पैसा लगाना दरअसल सट्टेबाजी ही है, जिसमें जीत की संभावना क्षणिक होती है और हार की संभावना लगभग निश्चित। लाखों युवक अपने खून-पसीने की कमाई या माता-पिता की मेहनत की कमाई को इन कंपनियों की तिजोरियों में डाल रहे हैं। यह समस्या अब जुए की लत से भी अधिक खतरनाक हो चुकी है, क्योंकि इसमें तकनीक की चकाचौंध और आसानी से उपलब्धता ने युवाओं को पहले से ज्यादा असुरक्षित बना दिया है।

यह बात किसी से छिपी नहीं है कि ऑनलाइन गेमिंग का बाजार बीते कुछ वर्षों में तेजी से फैला है। विज्ञापनों, प्रलोभनों और चमकदार ऑफरों ने युवाओं को अपने शिकंजे में इस तरह जकड़ लिया है कि लाखों लोग इसमें डूबकर अपनी शिक्षा, करियर और परिवार तक को दांव पर लगा बैठे हैं। जब खेल केवल मनोरंजन तक सीमित रहता है तब तक उसकी उपयोगिता है, पर जैसे ही इसमें धन और लालच का तत्त्व जुड़ता है, यह जुए में बदल जाता है। और यही वह बिंदु है जहां से विनाश की शुरूआत होती है। सच्चाई यह है कि ऑनलाइन गेमिंग का जाल इतना व्यापक हो चुका है कि इसे रोकने के लिए कानून की सख्ती के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता और पारिवारिक हस्तक्षेप भी उतने ही जरूरी हैं। ऑनलाइन मनी गेमिंग के सख्त नियमन और इसे भारी कराधान के अधीन लाना एक व्यावहारिक समाधान होगा। साथ ही पारदर्शिता और जवाबदेही पर जोर देकर उपभोक्ताओं के लिये सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाने की भी जरूरत है। इस अभियान में गैर-कानूनी गतिविधियों में लिप्त प्लेटफॉर्मों पर जुमार्ना भी लगाना एवं बड़े-बड़े दावे करने वाली मशहूर हस्तियों पर कार्रवाई भी होते हुए दिखनी चाहिए, तभी यह कानून कारगर एवं प्रभावी बन पायेगा।

संपादकीय

नीयत की खलल

मानसून सत्र समाप्त होने के बस दो दिन शेष होने से पूर्व ही सरकार ने भारी हंगामे के बीच तीन विधेयक पेश किए जिनमें गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तार व लगातार तीस दिनों तक हिरासत में रखे गए प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों व मंत्रियों को पद से हटाने का प्रावधान है। तीनों विधेयक संसद की संयुक्त समिति को भेजने का फैसला किया गया है। कुछ सदस्यों ने विरोधस्वरूप गृह मंत्री अमित शाह की तरफ कागज फाड़कर भी उड़ाए। विधेयकों पर कहा गया है कि गंभीर दंड़नीय अपराधों के आरोपों का सामना कर रहे मंत्री को गिरफ्तार किया जाता है या हिरासत में रखा जाता है तो वह संवैधानिक नैतिकता के मापदंड़ों तथा सुशासन के सिद्धांतों को विफल कर सकता है या बाधा ड़ाल सकता है। इससे नागरिकों द्वारा जताए गए विश्वास को कम कर सकता है। इसके लिए संविधान में कोई उपबंध नहीं है। अभी तक दोषी ठहराए जाने पर सांसदी या विधायकी जाती है। विपक्ष ने इसे असंवैधानिक बताते हुए विरोध किया। बिलों में जम्मू-कश्मीर री-आर्गेनाईजेशन (संशोधन बिल) और द गवर्नमेंट ऑफ यूनियन टेरेटरीज भी पेश किए। सरकार पर आरोप है कि तमिलनाडु.की ड़ीएमके सरकार में मंत्री रहे वी सेंथिल बालाजी की गिरफ्तारी के बाद उपजे विवाद के बाद लाई है। बेशक, अरविंद केजरीवाल और हेमंत सोरेन को मुख्यमंत्री रहते हुए गिरफ्तार किया गया था। हालांकि कहा गया कि उन्हें फंसाया गया था। मोदी सरकार ने विपक्षी दलों पर दबाव बनाने के लिए यह दांव खेलना शुरू किया है, जिसकी निंदा हो रही है। मनमाने ढंग या असंगत तरीके से कानूनों को दरकिनार करते हुए विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी लोकतांत्रिक नहीं ठहराई जा सकती। इस मसौदे में प्रधानमंत्री को पद से हटाने की बात जोड़ने का तात्पर्य स्पष्ट नहीं है। संसदीय लोकतांत्रिक व्यवस्था पर इस तरह के कदम संदेह उपजाते हैं। कानून व्यवस्था को सख्ती से लागू करने और आरोप सिद्ध होने के बाद कड़ी सजा के प्रावधान होने चाहिए। कानून को अपना काम निष्पक्षता से करने की पूरी आजादी होनी चाहिए। सरकारी एजेंसियों को आरोप मढ़ने या संदेह पर कोई निर्णय लेने का अधिकार नहीं दिया जा सकता। दोषी साबित होने या सजायाफ्ता नेताओं द्वारा बगैर चुने या परिवार वालों को मंत्री/मुख्यमंत्री बनाने का अधिकार भी नहीं होना चाहिए।

चिंतन-मनन

इच्छाओं को समर्पित करते जाओ

सभी इच्छाएं खुशी के लिए होती हैं। इच्छाओं का लक्ष्य ही यही है। किंतु इच्छा आपको कितनी बार लक्ष्य तक पहुंचाती है? इच्छा तुम्हें आनंद की ओर ले जाने का आभास देती है, वास्तव में वह ऐसा कर ही नहीं सकती। इसीलिए इसे माया कहते हैं। इच्छा कैसे पैदा होती है? किसी सुखद अनुभव की स्मृति या भूत के प्रभाव से इच्छा पैदा होती है। कुछ सुनने से भी इच्छा जागृत हो सकती है या किसी विशेष स्थान या व्यक्ति के संपर्क से। किसी और व्यक्ति की जरूरत या इच्छा भी तुम्हारी अपनी इच्छा के रूप में पैदा हो सकती है। मान लो कोई भूखा है, तो तुम्हें उसे खिलाने की इच्छा हो सकती है, या कोई तुमसे बात करना चाहता हो तो तुम्हारी भी उससे बात करने की इच्छा हो सकती है। कभी-कभी नियति या कोई घटना जिसमें तुम्हें भाग लेना है, तुममें इच्छा जाग्रत करती है, पर तुम अपने कृत्यों का कारण नहीं जानते।

इच्छाएं अपने आप उत्पन्न होती हैं, वे तुमसे पूछकर नहीं आतीं। जब इच्छाएं उत्पन्न होती हैं, तुम उनका क्या करते हो? यदि तुम सोचते हो कि तुम इच्छाहीन हो जाओ, तो यह भी एक और इच्छा है। मैं एक उपाय बताता हूं- सिनेमा देखने के लिए टिकट खरीदनी पड़ती है और यह टिकट प्रवेश द्वार पर देनी पड़ती है। यदि तुम उस टिकट को पकड़े रखोगे तो अंदर कैसे जाओगे? उसी प्रकार, यदि तुम किसी कॉलेज में दाखिल होना चाहते हो तो आवेदन पत्र की जरूरत है। उसे भरकर जमा करना पड़ता है। उसे पकड़कर नहीं रख सकते। इसी प्रकार जीवन-यात्रा में भी अपनी इच्छाओं को पकड़कर मत रखो, उन्हें समर्पित करते जाओ। जैसे-जैसे समर्पण करते जाओगे, इच्छाएं भी कम उत्पन्न होंगी। सौभाग्यवान वे हैं जिनमें इच्छा उत्पन्न ही नहीं होती, क्योंकि इच्छा जागृत होने के पहले ही वे तृप्त हैं।

अब तक का सबसे रोचक उपराष्ट्रपति पद का चुनाव?

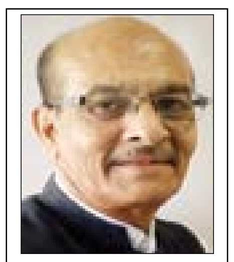

सनत जैन

परिणाम से तय होगा देश का भविष्य...

संसद का मानसून सत्र शुरू होने के तुरंत बाद राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा हो गया। जिसके कारण रिक्त पद पर उपराष्ट्रपति पद का चुनाव होने जा रहा है। इस्तीफा देने के बाद से पूर्व उपराष्ट्रपति जयदीप धनखड़ अज्ञातवास में है। इस्तीफा के कारणों को लेकर भी तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। इसी बीच उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई। संसद के दोनों सदनों में पहले ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद एसआईआर को लेकर दोनों सदनों में हंगामा होता रहा। सरकार ने बिना चर्चा के एक दर्जन से ज्यादा बिल हंगामा के बीच पास कर दिये। ऑपरेशन सिंदूर में दोनों सदनों में लगभग 16-16 घंटे की चर्चा हुई। इसके अलावा संसद में कोई कामकाज नहीं हुआ। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में जिस तरह की तनातनी चल रही है। इस बीच सरकार ने एक नया बिल पेश किया। इस बिल को जेपीसी के पास भेज दिया गया है। यदि यह बिल पास हो जाता है, तो केंद्र में जो भी सरकार होगी। वह विपक्षी दलों की राज्य सरकारों को या किसी भी प्रदेश की राजनीति को अपने ढंग से चलाने में सक्षम हो जाएगी। केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय द्वारा विपक्षी दलों के नेताओँ पर 5000 से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं, जिनकी जांच चल रही है। कई नेता और अधिकारी जो नया बिल सरकार लेकर आ रही है उसके अनुसार 30 दिन कोई भी मुख्यमंत्री, मंत्री अथवा प्रधानमंत्री हिरासत में रहता है। ऐसी स्थिति में उसे उसके पद से हटाया जा सकता है। ईड़ी का जो कानून है, उसके अनुसार न्यायालय से जमानत मिलने का कोई प्रावधान नहीं है। ईड़ी के पास असीमित शक्तियां हैं। पिछले कुछ वर्षों में विपक्षी दलों के नेताओं के ऊपर जिस तरीके की कार्रवाई हुई है। उन्हें न्यायालय से जमानत नहीं मिल पाई। कई राज्यों में ईड़ी के कारण विपक्षी दलों की सरकार गिर गई या राजनीतिक अस्थिरता फैल गई। इस बिल को सभी क्षेत्रीय राजनीतिक दलों और विपक्षी दलों में इस बात का भय उत्पन्न हो गया है। यह बिल पास हो जाएगा, उसके बाद देश में विपक्षी राजनीतिक दलों और क्षेत्रीय दलों का कोई काम नहीं रह जाएगा। ऐसे विषम स्थिति पर उपराष्ट्रपति पद का चुनाव होने जा रहा है। सत्ता पक्ष की ओर से महाराष्ट्र के राज्यपाल राधाकृष्णन को चुनाव मैदान में उतरा गया है। वह संघ एवं भाजपा से कई दशकों से जुड़े हुए हैं। झारखंड में हेमंत सोरेन को मुख्यमंत्री रहते हुए राजभवन से गिरफ्तार किया गया था। तब वह झारखंड के राज्यपाल थे। जगदीप धनखड़ भी पश्चिम बंगाल के राज्यपाल थे। उन्हें प्रधानमंत्री मोदी ने उपराष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ाकर राज्यसभा का सभापति बना दिया था। राज्यसभा में उन्होंने किस तरीके से काम किया है। यह किसी से छिपा हुआ नहीं है। लोकसभा अध्यक्ष जिस तरह से सरकार के ही इशारे पर संसदीय कार्य करते हैं। उससे संसदीय परंपरा मैं विपक्ष मरणासन्न अवस्था में पहुंच गया है। वर्तमान स्थिति में मोदी सरकार गठबंधन की सहायता से चल रही है। राहुल गांधी ने लोकसभा 2024 और विधानसभाओं के चुनावों में जिस तरह की गड़बड़ियों हुई हैं। इसको उजागर कर चुनाव आयोग के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। सभी विपक्षी राजनीतिक दल, चुनाव आयोग के खिलाफ एकजुट है। संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही नहीं चल पा रही थी। इसी बीच सरकार द्वारा जो बिल संसद के दोनों सदनों में प्रस्तुत किया गया है। उसमें 30 दिन तक कोई भी मुख्यमंत्री अथवा मंत्री गिरफ्तार किया जाता है, 30 दिन हिरासत में रहता है। ऐसी स्थिति में उसे बर्खास्त किया जा सकता है। इसको लेकर एनडीए गठबंधन में शामिल राजनीतिक दल भी सरकार के इस बिल को लेकर कहीं ना कहीं संसय में आ गए हैं। सत्ता पक्ष ने तमिलनाडु के सीपी राधा कृष्णन को उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में उम्मीदवार बनाया है। इंडिया गठबंधन में फूट डालने और सत्ता पक्ष ने तमिल की राजनीति में एक दांव चला था। विपक्ष ने उसकी पहचाना, विपक्ष की ओर से सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जो आंध्र प्रदेश से आते हैं। उन्हें उम्मीदवार बनाकर सत्ता पक्ष को कड़ी चुनौती दे दी है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में शह और मात का जो खेल शुरू हुआ है, उसका परिणाम क्या होगा, कहना मुश्किल है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के दोनों उम्मीदवार एक दूसरे को कड़ी प्रतिस्पर्धा दे रहे हैं। जिस तरह का संघर्ष सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच देखने को मिल रहा है वह रोमांचकारी है। विपक्ष संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ सीधी लड़ाई में जनता की अदालत में लड़ाई लड़ रहा है। सत्ता पक्ष अभी तक संवैधानिक संस्थाओं और अदालतों के पीछे छिपकर जो खेल खेल रहा था, उसे विपक्ष ने समझ लिया है। विपक्ष जनता की अदालत में जाकर आर-पार की लड़ाई लड़ने की तैयारी में जुट गया है। चुनाव आयोग ने बिहार में एसआईआर को लेकर जो नियम और कानून बनाए थे। राहुल गांधी ने कर्नाटक की एक लोक सभा सीट के एक विधानसभा सीट में चुनाव आयोग द्वारा की गड़बड़ी उजागर किया है। संविधान और लोकतंत्र बचाने यह की एक लड़ाई बना दिया है। इस लड़ाई में उपराष्ट्रपति पद का चुनाव देश के भविष्य को तय करेगा। इसमें कोई संदेह नहीं है। विपक्षी एक जुटता ने सरकार के सामने कई चुनौतियां खड़ी कर दी है। खुदा ना खास्ता विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी यह चुनाव जीत जाते हैं, या बहुत कम वोटो से हारते हैं। ऐसी स्थिति में सरकार के लिए भविष्य में परेशानी खड़ी होगी। केन्द्र की अल्पमत की सरकार कितने दिन चलेगी। यह कहना मुश्किल होगा। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से जिस तरह से इस्तीफा लिया गया है। उसको लेकर भी सांसदों में एक डर और भय देखने को मिल रहा है। भविष्य में इसकी परणति किस रूप में होगी, कहना मुश्किल है। इतना तय है, सत्ता पक्ष और विपक्ष अपने अस्तित्व की अंतिम लड़ाई लड़ने जा रही है। उपराष्ट्रपति पद के चुनाव परिणाम का ऊंट किस करवट बैठेगा। इसको लेकर सत्ता पक्ष की धड़कने तेज हो गई हैं।

चिंता: कॉफी पाउड़र, कॉकरोच और शाकाहार

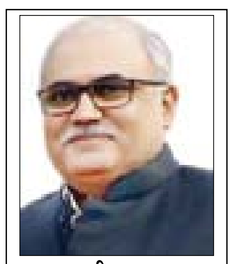

रजनीश कपूर

भारत में कॉफी और चाय न केवल पेय हैं, बल्कि हमारे सामाजिक मेलजोल और रोजमर्रा की जिंदगी के अभिन्न हिस्से बन चुके हैं। सुबह की ताजगी हो या दोस्तों के साथ गपशप, कॉफी का एक कप हमें जोड़ता है। लेकिन क्या हो अगर यह कॉफी, जिसे हम शुद्ध और शाकाहारी मानते हैं, वास्तव में शाकाहारी न हो? हाल में सोशल मीडिया में कुछ खबरों और अध्ययनों ने चौंकाने वाला खुलासा किया है कि कॉफी पाउडर में कॉकरोच जैसे कीड़ों की मिलावट हो सकती है। यह न केवल खाद्य सुरक्षा का सवाल उठाता है, बल्कि उन लाखों शाकाहारी लोगों के विश्वास को भी तोड़ता है जो अपने आहार को लेकर सजग रहते हैं। पेय और खाद्य पदार्थों में बढ़ती मिलावट की समस्या एक गंभीर मुद्दा है जिसे हल्के में नहीं लेना चाहिए।

कॉफी पाउडर में कॉकरोच की मौजूदगी का विचार ही किसी के लिए भी घृणित हो सकता है, लेकिन यह केवल एक डरावनी कहानी नहीं, बल्कि वास्तविकता है जो खाद्य प्रसंस्करण और गुणवत्ता नियंत्रण की कमियों को उजागर करती है। कुछ अध्ययनों और उपभोक्ता शिकायतों के अनुसार, सस्ते और निम्न गुणवत्ता वाले कॉफी पाउडर में कीड़े, कॉकरोचों के अवशेष और अन्य अशुद्धियां पाई गई हैं। यह समस्या विशेष रूप से उन ब्रांडों में देखी गई है, जो लागत कम करने के लिए निम्न गुणवत्ता वाले कच्चे माल का उपयोग करते हैं, या जिनके उत्पादन इकाइयों में स्वच्छता मानकों का पालन नहीं होता। कॉकरोच जैसे कीड़े न केवल कॉफी को अशुद्ध करते हैं, बल्कि इसे शाकाहारी पेय की श्रेणी से बाहर भी ले जाते हैं। भारत जैसे देश, जहां शाकाहार न केवल आहार है बल्कि धार्मिक-सांस्कृतिक मूल्य भी है, में यह एक गंभीर मुद्दा है। शाकाहारी लोग अपने भोजन और पेय में पशु-आधारित सामग्री से बचते हैं, लेकिन ऐसी मिलावट उनकी पसंद और विश्वास का उल्लंघन करती है। यह न केवल स्वास्थ्य के लिए खतरा है, बल्कि नैतिकता और विश्वास का भी सवाल है। वहीं यदि कोई कॉफी के साबुत बीन्स को स्वयं ही पीस कर कॉफी बनाए तो उसमें मिलावट का डर नहीं रहता।

कॉफी पाउडर में कॉकरोचों की मिलावट केवल एक उदाहरण है। खाद्य पदार्थों में मिलावट की समस्या भारत में लंबे समय से चली आ रही है। दूध, मसाले, शहद, घी यहां तक कि अनाज जैसे रोजमर्रा के खाद्य पदार्थ भी मिलावट के शिकार हैं। दूध में पानीङ्क यूरिया या डिटर्जेंट मिलाने की खबरें आम हैं। मसालों में कृत्रिम रंग, चूरा या इ्रट का पाउडर मिलाया जाता है। शहद में चीनी का सिरप और घी में वनस्पति तेल की मिलावट नई बात नहीं है। इनमें से कई मिलावटें न केवल शाकाहारी भोजन को प्रभावित करती हैं, बल्कि कुछ मामलों में पशु-आधारित सामग्री भी शामिल हो सकती हैं। कुछ सस्ते घी ब्रांडों में पशु वसा की मिलावट भी पाई गई है, जिसे शाकाहारी पूरी तरह से अस्वीकार करते हैं। कुछ मिठाइयों और बेकरी उत्पादों में अंडे या पशु-आधारित जेलाटिन का उपयोग होता है, जिसे पैकेजिंग पर स्पष्ट रूप से नहीं बताया जाता। मिलावट का प्रभाव स्वाद या गुणवत्ता तक सीमित नहीं है, यह स्वास्थ्य के लिए भी खतरा है। कॉकरोच और अन्य कीड़े बैक्टीरिया और रोगजनकों के वाहक हो सकते हैं, जो कॉफी के सेवन से पेट की बीमारियों, एलर्जी और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के कारण बन सकते हैं। मिलावटी खाद्य पदार्थों में रासायनिक पदार्थों का उपयोग जैसे कृत्रिम रंग या संरक्षक, दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याओं जैसे कैंसर, गुर्दे की बीमारी और हृदय रोगों को जन्म दे सकता है।

शाकाहारी लोग अपने आहार को लेकर इसलिए सजग रहते हैं कि यह उनकी धार्मिक-सांस्कृतिक-पर्यावरणीय मान्यताओं का हिस्सा है। जब उन्हें पता चलता है कि उनका भोजन शाकाहारी नहीं है, तो उनके विश्वास और मूल्यों पर चोट पड़ती है। खाद्य कंपनियों और नियामक संस्थानों पर भी सवाल उठाता है कि वे उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा क्यों नहीं कर पा रहे। मिलावट के कई कारण हैं-पहला, लागत कम करने की होड़, दूसरा, खाद्य सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन न होना और निरीक्षण की कमी, तीसरा, उपभोक्ताओं में जागरूकता की कमी।

इस समस्या का समाधान तभी संभव है जब सभी हितधारक मिलकर काम करें। सरकार को खाद्य सुरक्षा मानकों को और सख्त करना चाहिए और नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करना चाहिए। खाद्य कंपनियों को पारदर्शिता बरतनी चाहिए और अपने उत्पादों की सामग्री को स्पष्ट रूप से पैकेजिंग पर उल्लेख करना चाहिए। उपभोक्ताओं को भी जागरूक होना होगा और विश्वसनीय ब्रांडों को चुनना होगा। सरकार, खाद्य कंपनियों और उपभोक्ताओं को मिल कर इस समस्या का समाधान करना होगा ताकि हमारा भोजन और पेय न केवल स्वादिष्ट हो, बल्कि शुद्ध-नैतिक भी हो। कॉफी का कप हमें ताजगी और खुशी देता है, और यह हमारा अधिकार है कि यह शाकाहारी और सुरक्षित रहे।

(लेख में विचार निजी हैं)

संक्षिप्त समाचार

सीरिया में वरिष्ठ इस्लामिक स्टेट सदस्य अरेस्ट

दमिश्क़, एजेंसी। अमेरिका के नेतृत्व वाले गठबंधन ने उत्तर-पश्चिम सीरिया में इस्लामिक स्टेट (आईएस) के एक वरिष्ठ सदस्य को गिरफ्तार किया है। बुधवार को चलाए गए इस अभियान की पुष्टि सीरियाई मीडिया और एक युद्ध निगरानी संगठन ने की। अधिकारियों ने पहचान का खुलासा नहीं किया है, ऐसे में अभी यह स्पष्ट नहीं है कि पकड़ा गया शख्स आईएस का सर्वोच्च नेता है या कोई आम सदस्य। सूत्रों के अनुसार, इराकी नागरिक और आईएस कमांडर अबू हाफिज अल-कुरैशी को तुर्किये की सीमा के पास आतमेह कस्बे में हेलीकॉप्टर से उतरे सैनिकों ने पकड़ा। ब्रिटेन की संस्था- सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स के मुताबिक, इस अभियान के दौरान एक अन्य इराकी नागरिक मारा गया। निगरानी समूह का दावा है कि गिरफ्तार शख्स के साथ फ्रेंच बोलने वाली एक महिला भी पकड़ी गई है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि उसे अमेरिकी बलों ने पकड़ा या बाद में सीरियाई सुरक्षा बलों ने। सीरिया के सरकारी टीवी चैनल के मुताबिक गिरफ्तार शख्स का नाम सलाह नोमान है। वह अपने परिवार के साथ एक अपार्टमेंट में रह रहा था।

इस्राइल में वेस्ट बैंक सेटलमेंट परियोजना को मंजूरी

येरूशलम, एजेंसी। इस्राइल ने अपने कब्जे वाले वेस्ट बैंक में एक बस्ती बसाने की विवादास्पद परियोजना को अंतिम मंजूरी दे दी है। परियोजना लागू होने के बाद वेस्ट बैंक दो हिस्सों में बंट सकता है। इस मामले में फलस्तीनी और मानवाधिकार संगठनों ने चेतावनी दी है कि भविष्य में स्वतंत्र फलस्तीनी की संभावना लगभग समाप्त हो जाएगी। बुधवार को वित्त मंत्री बेजलेल स्मोट्रिच ने इस मंजूरी को पश्चिमी देशों के को इस्राइल का करारा जवाब बताया। स्मोट्रिच ने कहा, स्वतंत्र फलस्तीन अब नारेबाजी से नहीं बल्कि ठोस कदमों से मिटाया जा रहा है। हर बस्ती, हर मोहल्ला और हर मकान इस खतरनाक विचार के ताबूत में एक और कील है। इस्राइल के इस निर्णय को क्षेत्र में तनाव बढ़ाने और शांति प्रक्रिया के लिए गंभीर झटका माना जा रहा है। बता दें कि यरूशलम के पूर्व में ई1 क्षेत्र में इस्राइल बस्ती विकसित करने की योजना बना रहा है। बीते दो दशकों से इस पर विचार हो रहा था, लेकिन अमेरिका के दबाव के कारण अब तक इस पर कार्यान्वयन नहीं हुआ है।

कांगो और एम23 विद्रोहियों के बीच शांति समझौते की कोशिश

किंशासा, एजेंसी। कांगो सरकार और रवांडा समर्थित विद्रोही संगठन एम23 के बीच एक शांति समझौते का मसौदा तैयार हुआ है। इस समझौते का मुख्य उद्देश्य- उन इलाकों पर फिर से सरकारी नियंत्रण लाना है, जिन पर फिलहाल एम23 का कब्जा है। यह समझौता कतर की पहल पर तैयार किया गया है और इसमें शांति कायम करने के लिए तीन चरणों वाली प्रक्रिया का जिक्र है। आने वाले दिनों में दोनों पक्ष कतर की राजधानी दोहा में बैठकर इस मसौदे पर चर्चा करेंगे। कांगो के राष्ट्रपति फेलिक्स त्सेसीकेदी अभी इस मसौदे से संतुष्ट नहीं हैं। वहीं, बेल्जियम के विदेश मंत्री मैक्सिम प्रीवोट ने कहा कि राष्ट्रपति का मानना है कि मसौदा अभी अधूरा और असंतोषजनक है। वहीं, एम23 के नेता बर्ट्रेंड बिसिमवा ने इस मसौदे पर कोई सीधी टिप्पणी नहीं की। उन्होंने कहा कि अभी उनका ध्यान युद्धविराम लागू करने और कैदियों की रिहाई पर है, जो पहले से तय किए गए दोहा घोषणापत्र का हिस्सा हैं।

बोलीविया में चुना जाएगा नया राष्ट्रपति

सूक्रे, एजेंसी। बोलीविया में नया राष्ट्रपति चुना जाएगा। यह चुनाव देश में लगभग 20 साल से चल रही समाजवादी सरकार से बदलाव की ओर इशारा करता है। लेकिन आदिवासी समुदायों और पर्यावरण कार्यकर्ताओं को भरोसा नहीं है कि इससे अमेजन जंगलों की कटाई, आग या प्रदूषण जैसी समस्याएं रुकेंगी। 19 अक्तूबर को होने वाले चुनाव में दो नेता मध्यमार्गी रोड्रिगो पाज और दक्षिणपंथी जॉर्ज टूटो क्विरोगा आमने-सामने हैं। दोनों बदलाव का वादा कर रहे हैं, लेकिन उनका आर्थिक मॉडल वही है, जिसने अब तक पर्यावरण को नुकसान पहुंचाया है। अमेजन जंगल नौ देशों में फैला हुआ है और यह दुनिया की जलवायु और कार्बन संतुलन के लिए बहुत अहम है।

आईडीएफ ने शुरू किया गाजा पर कब्जा अभियान

यरुशलम, एजेंसी। इजरायल ने गाजा पट्टी पर कब्जा करने की अपनी अहम रणनीति के तहत बुधवार को युद्ध का अगला चरण शुरू कर दिया है। इसके साथ ही इजरायली सेना के जवान गाजा पट्टी में अंदर घुस गए। इजरायली सेना के मुख्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल एफी डेफ्रिन ने घोषणा की कि इजरायल ने युद्ध का अगला चरण शुरू कर दिया है और सेना गाजा शहर के बाहरी इलाके में पहुंच गई है। वहां विस्थापित निवासियों को दक्षिणी गाजा में स्थानांतरित करने की तैयारी चल रही है। आईडीएफ के इस कदम से अंतर्राष्ट्रीय चिंता पैदा हो गई है और फिलिस्तीनी राज्य के भविष्य पर बहस फिर से शुरू हो गई।

इजरायल की तरफ से यह घोषणा ऐसे समय में की गई है, जब वार्ताकार मिस्र इजरायल और हमास के बीच 22 महीनों से जारी संघर्ष समाप्त करने के लिए युद्धविराम की कोशिशों में लगा हुआ है। इस बीच, एक अहम रणनीति का खुलासा करते हुए इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने घोषणा की कि वह गाजा शहर पर कब्ज़ा करने की आईडीएफ की योजनाओं की समय सीमा कम कर रहे हैं। यह घोषणा रणनीतिक मामलों के मंत्री रॉन डर्मर द्वारा पेरिस में कतर के अधिकारियों के साथ वार्ता पर चर्चा के एक दिन बाद की गई।

नहीं दे सकते पांच महीने : जब सुरक्षा कैबिनेट ने पहली बार गाजा शहर पर कब्ज़ा करने की मंजूरी दी थी, तब इजरायली अधिकारियों ने अनुमान जताया था कि इस योजना में पाँच महीने या उससे ज़्यादा का समय लग सकता है लेकिन बुधवार को नेतन्याहू ने सेना को समय सीमा कम करने का निर्देश दिया है। बुधवार की शाम एक बयान में नेतन्याहू ने कहा कि उन्होंने सेना को आतंकवादियों के अंतिम गढ़ों पर कब्ज़ा करने और हमास को हराने की समय सीमा कम करने का निर्देश दिया है, जो गाजा शहर में आईडीएफ के आगामी हमले का संकेत है। नेतन्याहू ने द्वष्ठस्र से साफ कहा है कि इसके लिए पांच महीने नहीं दे सकते।

सीजफायर प्रस्ताव पर भी नजर : हालाँकि पिछले कुछ दिनों में बंधकों की रिहाई के समझौते पर पहुँचने की गति तेज हुई है। बावजूद, इसके नेतन्याहू ने ऐसे प्रयासों को लगातार खारिज किया है और इस महीने की शुरुआत में कैबिनेट द्वारा स्वीकृत योजना के बजाय गाजा पट्टी में लड़ाई तेज़ करने पर ध्यान केंद्रित किया है। हालांकि, उन्होंने युद्धविराम के नवीनतम प्रस्ताव को पूरी तरह से खारिज नहीं किया है।

60,000 रिजर्व सैनिकों को तैनात करने का आदेश : दूसरी तरफ, जैसे-जैसे गाजा शहर पर बड़े पैमाने पर हमले के शुरुआती चरण जमीं पर अमल में आ रहे हैं, वैसे-वैसे इजरायल वहां सैन्य तैनाती बढ़ाता जा रहा है। उत्तरी गाजा के सबसे बड़े शहर, जिसके बारे में इजरायली प्रधानमंत्री ने कहा था कि यह हमास के अंतिम गढ़ों में से एक है, पर कब्ज़ा करने के लिए सेना ने 60,000 रिजर्व सैनिकों को तैनात करने का आदेश दिया है। इसके अलावा 20,000 अतिरिक्त सैनिकों की सेवा अवधि बढ़ाने का भी फैसला किया गया है।

आईडीएफ की योजना की हो रही निंदा : इजरायली सुरक्षा बल की इस योजना की अंतरराष्ट्रीय और घरेलू स्तर पर निंदा हो रही है, क्योंकि इससे इस आशंका को बल मिल रहा है कि गाजा में मानवीय और भूखमरी का संकट और भी बदतर हो जाएगा और आईडीएफ के विस्तारित सैन्य अभियान से शेष बंधकों की जान पर संकट बढ़ जाएगा। मानवाधिकार समूहों ने भी चेतावनी दी है कि गाजा में मानवीय संकट और भी बदतर हो सकता है। समूहों ने कहा कि गाजा में अधिकांश निवासी विस्थापित हो गए हैं, विशाल इलाके खंडहर में तब्दील हो गए हैं और लोगों पर अकाल का खतरा मंडरा रहा है।

इजरायली सैनिक अब हो रहे हताश : सीएनएन की रिपोर्ट में कहा गया है कि करीब दो साल से युद्ध लड़ रहे इजरायली सैनिक अब हताश होने लगे हैं। युद्ध का अंत नजदीक नहीं दिखने के कारण इजरायल के सैन्य प्रमुख ने सैनिकों पर बढ़ते बोझ की चेतावनी दी है, जिनमें से कई को गाजा में लड़ने के लिए कई बार बुलाया गया है। आईडीएफ चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल इयाल ज़मीर ने इस महीने की शुरुआत में सुरक्षा कैबिनेट को बताया था कि सेना को क्षति और थकान का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन नेतन्याहू और उनके गठबंधन सहयोगियों ने गाजा अभियान को आगे बढ़ाते हुए उनकी चिंताओं को खारिज कर दिया। यरूशलेम के हिब्रू विश्वविद्यालय में अगम लैब्स के एक नए सर्वेक्षण से पता चला है कि लगभग 40त्न सैनिक युद्ध के लिए थोड़े या काफी कम प्रेरित थे, जबकि 13त्न से थोड़े अधिक सैनिक युद्ध के लिए अधिक प्रेरित थे।

पाकिस्तान में हिंदू लड़कियों का जबरन धर्मांतरण, ईशनिंदा के नाम पर सरेआम हो रही हत्या

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा लगातार बढ़ रही है। हिंदू और ईसाई लड़कियों को निशाना बनाया जा रहा है। पाकिस्तान के शीर्ष मानवाधिकार संगठन ने कहा है कि पिछले साल हिंदू और ईसाई लड़कियों के जबरन धर्मांतरण और कम उम्र में विवाह के मामलों में तेजी आई है। संगठन ने बताया कि धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा में चिंताजनक वृद्धि हुई है, जिसमें हिंदू और ईसाई लड़कियों के जबरन धर्मांतरण और नाबालिगों की शादियों की घटनाएं भी बढ़ी हैं।

पाकिस्तान मानवाधिकार आयोग (एचआरसीपी) ने मंगलवार को जारी अपनी रिपोर्ट डर की गलियां: 2024-25 में धर्म या आस्था की स्वतंत्रता में देश में अहमदियों, हिंदुओं और ईसाइयों के खिलाफ धार्मिक स्वतंत्रता और अल्पसंख्यक अधिकारों के लिए बेहद चिंताजनक वर्ष का दस्तावेजीकरण किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा में खतरनाक वृद्धि हुई है, जिसमें अहमदिया समुदाय की लक्षित हत्याएं और उनके पूजा स्थलों का विध्वंस शामिल है।

एचआरसीपी ने बताया कि पंजाब और सिंध प्रांतों में हिंदू और ईसाई लड़कियों का जबरन धर्मांतरण और कम उम्र में विवाह जारी है, जो बाल विवाह निरोधक कानूनों को लागू करने में व्यवस्थित विफलता को दर्शाता है। संगठन ने कहा कि ईशनिंदा के आरोपियों, खासकर अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों की भीड़ द्वारा हत्या के मामले बढ़े हैं। सबसे भयावह घटनाएं ईशनिंदा के आरोप में अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों की न्यायेतर हत्याएं हैं।

रिपोर्ट में बताया गया कि पुलिस ने दो ईशनिंदा आरोपियों को उग्र भीड़ से सुरक्षा मांगने के दौरान न्यायेतर तरीके से मार डाला। यह घटनाएं कानून प्रवर्तन और जवाबदेही तंत्र में सुधार की तत्काल आवश्यकता को दर्शाती हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि बार एसोसिएशनों का कट्टरपंथी धार्मिक समूहों की सोच की ओर झुकाव चिंताजनक है, जो विधि व्यवसाय की स्वतंत्रता को कमजोर करता है। रिपोर्ट में पाकिस्तान सरकार से राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के निष्कर्षों के आधार पर ईशनिंदा के आरोपों में फंसाने की जांच के लिए एक आयोग गठित करने की मांग की गई है। साथ ही, यह सुझाव दिया गया है कि अधिकारियों को उन मदरसों पर नजर रखनी चाहिए जो अक्सर नाबालिग लड़कियों के धर्मांतरण में शामिल होते हैं।

अमेरिका के मशहूर जज फ्रैंक कैप्रियो का निधन, दयालु जज के नाम से फेमस हुए

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के मशहूर जज फ्रैंक कैप्रियो का बुधवार को निधन हो गया। वे 88 साल के थे। कैप्रियो लंबे समय से पैंक्रियाटिक कैंसर से लड़ रहे थे। उनके परिवार ने इंस्टाग्राम पर उनकी मौत की जानकारी दी। कैप्रियो अपने कोर्ट शो कॉट इन प्रोविडेंस से दुनियाभर में मशहूर हुए। यह शो 2018 से 2020 तक चला और कई डेटाइम एमी अवॉर्ड्स के लिए नॉमिनेट हुआ। उनकी दया और इंसानियत भरे फैसलों के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते रहे हैं।। उन्होंने कई बार गरीब परिवारों के चालान माफ किए और लोगों को हौसला दिया।

सोशल मीडिया पर कैप्रियो के कई वीडियो वायरल : जज फ्रैंक कैप्रियो के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं। उनके इंस्टाग्राम पर उनके 34 लाख फॉलोअर्स हैं। उनके वीडियो को ऑनलाइन अरबों बार देखा गया।

कैप्रियो ने रविवार को ही इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट किया था। उन्होंने कहा था कि उनकी तबीयत बिगड़ गई है और वे फिर से अस्पताल में हैं। उन्होंने लोगों से प्रार्थना करने की अपील की थी। कैप्रियो को लोग दुनिया का सबसे दयालु जज कहते थे। उनका मानना था कि न्याय में दया और इंसानियत जरूर होनी चाहिए।

रोड आइलैंड में एक दिन के लिए झंडा आधा झुकाया : कैप्रियो का जन्म अमेरिका के रोड आइलैंड में हुआ था। रोड आइलैंड के गवर्नर डैन मैकी ने उन्हें राज्य का असली खजाना बताया। राज्य में उनके सम्मान में झंडे आधे झुका दिए गए हैं। उन्होंने लंबे समय तक म्युनिसिपल जज के तौर पर काम किया। 2023 में उन्होंने खुद बताया था कि उन्हें कैंसर है। इलाज के दौरान वे लगातार लोगों से जुड़े रहे और अपडेट देते रहे। कैप्रियो पारिवारिक जीवन में भी बेहद समर्पित थे। परिवार ने कहा कि वे एक अच्छे पति, पिता, दादा और परदादा के रूप में याद किए जाएंगे।

ट्रंप के साथ बैठक के बाद वापस आते समय पुतिन को चुकाने पड़े 2.2 करोड़ रुपये

वाशिंगटन, एजेंसी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने हाल ही में यूक्रेन से जंग को लेकर संघर्षविराम पर वार्ता के लिए अलास्का का दौरा किया था। यहां ट्रंप से वार्ता से पहले भले ही उनका रेड कार्पेट स्वागत हुआ हो लेकिन वहां से वापस आना पुतिन को काफी महंगा पड़ गया। दरअसल, उन्हें वहां से वापस आते समय अपने विमानों में ईंधन भरवाना पड़ा। हद तो तब हो गई जब इसके लिए उन्हें तकरीबन 250,000 डॉलर (लगभग 2.2 करोड़ रुपये) नकद चुकाने पड़े। अब अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने इसकी हकीकत बताई है। उन्होंने साफ किया है कि पुतिन को ऐसा क्यों करना पड़ा।

मार्को रूबियो ने इसकी वजह बताते हुए कहा कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन को अमेरिका से लौटते समय तीन विमानों में ईंधन भरने के लिए लगभग 250,000 डॉलर (लगभग 2.2 करोड़ रुपये) नकद भुगतान करना पड़ा था। उन्होंने कहा कि यह रूस पर लागू अमेरिकी प्रतिबंधों का परिणाम था। उन्होंने कहा कि यूक्रेन से जंग के चलते लागू प्रतिबंधों के कारण वे हमारी बैंकिंग प्रणाली का उपयोग नहीं कर सकते थे। ऐसे में उन्हें ईंधन के लिए नकद भुगतान करना पड़ा। रूबियो ने कहा कि अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंध अभी भी लागू हैं और उनका प्रभाव भी बना हुआ है। रूबियो ने कहा कि रूस और पुतिन को हर दिन इसके परिणाम भुगतने पड़ते हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि इन प्रतिबंधों ने युद्ध की दिशा नहीं बदली है।

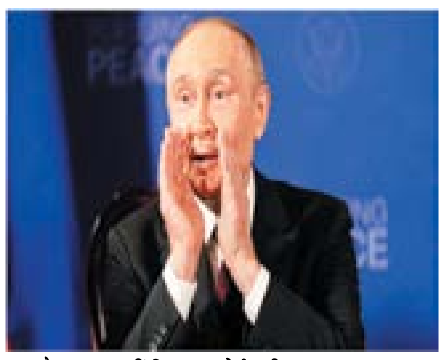

बैठक का नहीं निकला कोई नतीजा

गौरतलब है कि 15 अगस्त को हुई बहुप्रतीक्षित बैठक के लिए पुतिन की टीम अलास्का में लगभग पांच घंटे तक रही। ट्रंप और पुतिन की बैठक के बाद दोनों ने एक साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस की। जिसमें ट्रंप ने पुष्टि करते हुए कहा कि यूक्रेन से संघर्ष विराम को लेकर कोई समझौता नहीं हुआ। हालांकि दोनों के बीच वार्ता अच्छी रही।

तीन साल से ज्यादा वक्त से रूस-यूक्रेन में जंग

करीब तीन साल से ज्यादा समय से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध अब एक तरह के ठहराव पर है। रूस ने कुछ हिस्सों में हाल ही में बढ़त बनाई है, लेकिन बड़े पैमाने पर स्थिति वैसी ही बनीं हुई है। अब तक लाखों लोग मारे जा चुके हैं और दोनों देशों की अर्थव्यवस्था पर गहरा असर पड़ा है।

भारत मूल्यवान साझेदार, मजबूत रिश्ते में खटास रणनीतिक आपदा: निक्की हेली

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व राजदूत निक्की हेली ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को आईना दिखाया। उन्होंने कहा कि भारत को चीन जैसा विरोधी नहीं, बल्कि एक मूल्यवान स्वतंत्र और लोकतांत्रिक साझेदार मानना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका भारत के साथ पिछले 25 वर्षों से बने संबंधों की रफ्तार रोकता है, तो यह एक रणनीतिक आपदा होगी।

निक्की हेली ने भारत और चीन के बीच एक मजबूत साझेदारी को बेहद आसान बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है और उसका उदय स्वतंत्र दुनिया के लिए कोई खतरा नहीं है। इसके उलट, चीन की ताकत बढ़ना दुनिया के लिए चुनौती है, क्योंकि वह कम्युनिस्ट शासन के तहत चलता है।

अमेरिका का महत्वपूर्ण सहयोगी बन सकता है भारत : निक्की हेली ने अपने लेख में कहा कि भारत अमेरिका का महत्वपूर्ण सहयोगी बन सकता है, जबकि चीन रूस से तेल खरीद कर प्रतिबंधों से बच रहा है और मास्को का सबसे बड़ा ग्राहक है। अमेरिका को यह समझना होगा कि अगर एशिया में चीन का मुकाबला करना है तो भारत ही एकमात्र देश है जो यह संतुलन बना सकता है।

भारत में चीन की तरह बड़े पैमाने पर सामान बनाने की क्षमता : निक्की हेली ने आगे कहा कि भारत में इतनी क्षमता है कि वह चीन की तरह बड़े पैमाने पर सामान बना सकता है। इससे अमेरिका को अपनी सप्लाई चेन चीन से हटाकर भारत में शिफ्ट करने में मदद मिलेगी। भारत कपड़े, सस्ते फोन और सोलर पैनल जैसे उत्पाद बड़े स्तर पर बना सकता है, जिन्हें अमेरिका खुद तुरंत या बड़े पैमाने पर नहीं बना सकता।

मध्य पूर्व में स्थिरता लाने में अहम साबित हो सकती है भारत की भूमिका : हेली ने आगे कहा कि भारत की बढ़ती रक्षा क्षमता और मध्य पूर्व में उसकी भूमिका उस क्षेत्र में स्थिरता लाने में अहम साबित हो सकती है, खासकर जब अमेरिका वहां सैनिकों और पैसों की संख्या कम करना चाहता है। भारत की भौगोलिक स्थिति चीन के व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति के रास्तों पर दबाव डाल सकती है, जो किसी बड़े संघर्ष की स्थिति में चीन के विकल्प कम कर देगी।

भारत सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था : निक्की हेली ने आगे कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था है और जल्द ही जापान को पीछे छोड़ देगा। भारत का उदय चीन की उस महत्वाकांक्षा को रोक देगा, जिसमें वह वैश्विक व्यवस्था को अपने हिसाब से ढालना चाहता है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे भारत मजबूत होगा, चीन की महत्वाकांक्षाएं घटेंगी।

अमेरिका-भारत की साझेदारी करने पर दोनों देशों के हित पूरे होंगे : निक्की हेली ने यह भी याद दिलाया कि भारत और चीन के बीच कई विवाद हैं, जिनमें 2020 का गलवां घाटी संघर्ष भी शामिल है। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका और भारत साझेदारी करते हैं तो दोनों देशों के हित पूरे होंगे और भारत चीन के खिलाफ ज्यादा मजबूती से खड़ा हो सकेगा। हेली ने चेतावनी दी कि अमेरिका-भारत के बीच व्यापार विवाद को अगर लंबा खींचा गया तो यह एक बड़ी और टाली न जा सकने वाली गलती होगी। चीन इस स्थिति का फायदा उठा सकता है।

टेक्सास के नए नक्शे को मिली मंजूरी, 2026 के मध्यावधि चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को होगा फायदा

वॉशिंगटन, एजेंसी। टेक्सास की विधानसभा ने राज्य के नए नक्शे को अपनी मंजूरी दे दी है। नए नक्शे से रिपब्लकिन पार्टी को फायदा होगा और पांच नई सीटों का निर्माण होगा। जिन सीटों का निर्माण होगा, वो रिपब्लिकन पार्टी के प्रभाव वाली होंगी। ऐसे में 2026 में होने वाले मध्यावधि चुनाव में सत्ताधारी रिपब्लिकन पार्टी को इससे फायदा मिलने की उम्मीद है।

रिपब्लिकन पार्टी की बढ़ सकती हैं पांच सीटें : राष्ट्रपति ट्रंप ने पांच साल बाद कांग्रेस सीटों के नक्शों की समीक्षा करने की अपील की थी। माना जा रहा है कि इसका उद्देश्य रिपबल्किन पार्टी को फायदा पहुंचाना है। टेक्सास की विधानसभा ने बुधवार को नए नक्शे को मंजूरी दी। हालांकि अभी इसे लागू करने से पहले राज्य के सीनेट और गवर्नर की मंजूरी की भी जरूरत होगी। सीनेट में रिपब्लिकन पार्टी का बहुमत है। ऐसे में नए नक्शे को मंजूरी मिलना लगभग तय है। सदन में नए विधेयक के पक्ष में 88 और विपक्ष में 52 वोट पड़े। हालांकि डेमोक्रेटिक पार्टी ने नए नक्शे को अदालत में चुनौती देने की बात कही है। डेमोक्रेट्स ने आरोप लगाया कि नया नक्शा रिपब्लिकन पार्टी को फायदा पहुंचाने के लिए बनाया गया है।

टेक्सास के रिपब्लिकनों ने खुलेआम कहा कि वे अपनी पार्टी के हित में काम कर रहे हैं। राज्य प्रतिनिधि टॉड हंटर, जिन्होंने औपचारिक रूप से नया नक्शा बनाने वाला विधेयक लिखा था, ने कहा कि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राजनेताओं को स्पष्ट रूप से पक्षपातपूर्ण उद्देश्यों के लिए जिलों का पुनर्निर्धारण करने की अनुमति दी है।

अमेरिकी कोर्ट ने ठुकराई न्याय विभाग की मांग, ग्रैंड जूरी दस्तावेज सार्वजनिक करने से किया इनकार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एक संघीय न्यायाधीश ने जेफ्री एपस्टीन की मौत के मामले में बुधवार को ट्रंप प्रशासन को एक बार फिर झटका दिया है। इसके तहत न्यायाधीश ने जेफ्री एपस्टीन से जुड़े देह व्यापार मामले की ग्रैंड जूरी की सुनवाई के दस्तावेज (ट्रांस्क्रिप्ट्स) सार्वजनिक करने की ट्रंप प्रशासन की मांग को खारिज कर दिया। इससे पहले दो अन्य जज भी इसी तरह की मांग को ठुकरा चुके हैं।

मामले में सुनवाई के दौरान न्यायाधीश रिचर्ड बर्मन ने कहा कि इन ट्रांस्क्रिप्ट्स में ऐसा कुछ नहीं है जो जनता की जिज्ञासा को संतुष्ट कर सके। उन्होंने इसे ध्यान भटकाने की कोशिश बताया। साथ ही कहा कि असल में एपस्टीन से जुड़े करीब एक लाख पन्नों के दस्तावेज सरकार के पास हैं, लेकिन उन्हें अभी तक जारी नहीं किया गया है। न्यायाधीश ने ये भी कहा कि सरकार के पास असली और ठोस जानकारी है, लेकिन वह सिर्फ ग्रैंड जूरी की सीमित जानकारी जारी करवाना चाहती है, जो कि असल तथ्यों का एक बहुत ही छोटा हिस्सा है।

ट्रंप प्रशासन ने की थी दस्तावेज सार्वजनिक करने की मांग : बता दें कि ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में इन दस्तावेजों को सार्वजनिक करने की मांग की थी, ताकि यह दिखाया जा सके कि वे पारदर्शिता में विश्वास रखते हैं। ट्रंप खुद भी इस केस में नाम आने को लेकर आलोचनाओं का सामना कर चुके हैं और उन्होंने चुनाव के दौरान सभी फाइलें जारी करने का वादा किया था। लेकिन जब उन्होंने कुछ दस्तावेज जारी किए, तो उनमें कुछ नया नहीं था, जिससे उनके समर्थकों में भी नाराजगी थी।

घिसलेन मैक्सवेल को लेकर भी जारी चर्चा जारी

दूसरी ओर इस मामले में एपस्टीन की सहयोगी घिसलेन मैक्सवेल को लेकर भी चर्चा जारी है। मैक्सवेल फिलहाल फिलहाल 20 साल की सजा काट रही हैं। अमेरिकी कांग्रेस की एक समिति उनसे पूछताछ करना चाहती है, लेकिन उनके वकीलों ने कहा है कि अगर उन्हें कानूनी सुरक्षा (इम्युनिटी) नहीं दी गई, तो वे बयान नहीं देंगे।

कौन थे जेफरी एपस्टीन?

गौरतलब है कि जेफरी एपस्टीन एक अमीर फाइनेंसर थे, जिनपर कम उम्र की लड़कियों के यौन शोषण और तस्करी के गंभीर आरोप थे। वह 2019 में न्यूयॉर्क की जेल में मृत पाए गए थे, जब उन पर मुकदमा चल रहा था। उनकी मौत को लेकर अब भी संदेह और साजिश की थ्योरी चलती रहती हैं। साथ ही उनकी मौत और केस से जुड़े कई दस्तावेजों को छिपाने के आरोपों को लेकर अमेरिका में कई लोग सरकार पर पर्दा डालने का आरोप लगाते रहे हैं।

भारतीय क्रिकेट टीम बिना स्पॉन्सर के खेलेगी एशिया कप 2025?, बीसीसीआई सचिव की प्रतिक्रिया आई सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगामी पुरुष एशिया कप में टीम इंडिया पर बिना लोगो वाली जर्सी पहनने का खतरा मंडरा रहा है। यह स्थिति 'ऑनलाइन गेमिंग के प्रचार और विनियमन विधेयक' के पारित होने के बाद उत्पन्न हुई है। हाल ही में पारित इस विधेयक में ड्रीम11 जैसे सभी प्रकार के ऑनलाइन फैंटेसी स्पोर्ट्स और जुआ प्लेटफ़ॉर्म पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। एशिया कप 9 सितंबर से संयुक्त अरब अमीरात में शुरू हो रहा है।

ड्रीम11 जुलाई 2023 से भारत का प्रमुख प्रायोजक है। शुरुआती अनुबंध के तहत इस ऑनलाइन फैंटेसी स्पोर्ट्स प्लेटफॉर्म के पास तीन साल के लिए प्रायोजन अधिकार थे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने अभी तक ड्रीम11 के साथ अपने भविष्य के जुड़ाव के बारे में कोई औपचारिक घोषणा नहीं की है। हालांकि बोर्ड सचिव देवजीत सैकिया ने एक बयान में कहा, 'अगर यह जायज नहीं है, तो हम कुछ नहीं करेंगे। बीसीसीआई केंद्र सरकार द्वारा बनाई गई देश की हर नीति का पालन करेगा।'

शुक्रवार को ड्रीम 11 ने भी एक आधिकारिक बयान जारी कर पुष्टि की कि भारतीय संसद में विधेयक पारित होने के बाद 'नकद खेल और प्रतियोगिताएं बंद कर दी गई हैं।' गौर हो कि ऑनलाइन पैसे वाले खेलों और सट्टेबाजी पर प्रतिबंध लगाने वाले विधेयक ने अब ऐसे खेलों के प्रचार और वित्तपोषण को अपराध घोषित कर दिया है, जिसके तहत अपराधियों को 5 साल तक की जेल हो सकती है। स्पोर्टस्टार के अनुसार सरकारी आंकड़े बताते हैं कि फैंटेसी स्पोर्ट्स प्लेटफॉर्म ने 45 करोड़ लोगों से सालाना 2.3 अरब अमेरिकी डॉलर की ठगी की है।

फिटनेस टेस्ट पास नहीं कर पाए करुण नायर, बड़े टूर्नामेंट से हो सकते हैं बाहर

मुम्बई (एजेंसी)। अनुभवी भारतीय बल्लेबाज करुण नायर को प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी के लिए इंतजार करना होगा क्योंकि बीसीसीआई ने उन्हें केएससीए महाराजा टी20 ट्रॉफी में भाग लेने से रोक दिया है। 34 वर्षीय इस खिलाड़ी को सीओई से फिटनेस क्लियरेंस नहीं मिला है इसलिए उन्हें अपनी रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया जारी रखनी होगी।

नायर केएससीए महाराजा टी20 ट्रॉफी के आगामी सीजन में मैसूर वॉरियर्स के लिए खेलने वाले थे और टीम के साथ मैसूर भी गए थे। लेकिन अब वह बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में वापस लौटेंगे और बीसीसीआई से फिटनेस क्लियरेंस मिलने तक रिहैबिलिटेशन करेंगे।

नायर को इंग्लैंड के खिलाफ इस महीने की शुरुआत में समाप्त हुए एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पांचवे और अंतिम टेस्ट के दौरान उंगली में गहरी चोट लगी थी। इस बल्लेबाज की उंगली में फैक्चर हो गया था और अभी भी पूरी तरह से ठीक नहीं हुई है।

गौर है कि मैसूर वॉरियर्स के लिए यह किसी बड़े झटके से कम नही होगा क्योंकि नायर यकीनन उनके सबसे महत्वपूर्ण खिलाड़ी थे। नायर ने पिछले सीजन में टीम को ट्रॉफी दिलाई थी और 560 रन भी बनाए थे। उन्होंने 2023 सीजन में भी बल्ले से शानदार योगदान दिया था और उस सीजन का अंत 532 रनो के साथ किया था।

इसी बीच दलीप ट्रॉफी में सेंट्रल जोन के लिए भी यह एक बड़ा झटका होगा क्योंकि नायर से टीम के मध्यक्रम में बल्लेबाजी करने की उम्मीद थी। इस बल्लेबाज ने पिछले साल घरेलू सीजन में शानदार प्रदर्शन किया था। यही एक मुख्य कारण था कि उन्हें लगभग 8 साल बाद भारत की टेस्ट टीम में वापस बुलाया गया था। हालांकि अब वह न केवल एक टी20 टूर्नामेंट बल्कि घरेलू क्रिकेट के एक महत्वपूर्ण टूर्नामेंट से भी चूकने वाले है।

सूर्यकुमार की कप्तानी में एशिया कप जीत सकता है भारत, भारत के पूर्व ओपनर बल्लेबाज ने की भविष्यवाणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने कहा कि सूर्यकुमार यादव के निर्भिक नेतृत्व में मौजूदा टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम आगामी एशिया कप जीत सकती है। यह महाद्वीपीय टूर्नामेंट नौ से 28 सितंबर तक संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित किया जाएगा। टी20 प्रारूप के इस टूर्नामेंट का 2016 में पहला संस्करण जीतने वाली भारतीय टीम को ग्रुप ए में पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान, ओमान और मेजबान संयुक्त अरब अमीरात के साथ रखा गया है।

ग्रुप बी में श्रीलंका, हांगकांग, अफगानिस्तान और बांग्लादेश शामिल हैं। सहवाग ने आगामी टूर्नामेंट के प्रसारणकर्ता सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के 'रग रग में भारत' अभियान के मौके पर कहा, 'इस भारतीय टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का सही मिश्रण है। सूर्यकुमार के निर्भिक नेतृत्व में टीम एक बार फिर एशिया में अपना दबदबा बना सकती है। उनकी आक्रामक मानसिकता टी20 प्रारूप के लिए बिल्कुल उपयुक्त है और अगर टीम इसी इरादे से खेलती है तो इसमें कोई शक नहीं है कि भारत ट्रॉफी जीत सकता है।'

उन्होंने कहा, 'यह (रग रग में भारत) अभियान भारतीय क्रिकेट की धड़कन को खूबसूरती से जीवंत करता है। आप देश के किसी भी हिस्से से हों, जब भारत खेलता है तो भावनाएं हमें एकजुट करती हैं। मैं इसमें भी यही जुनून महसूस कर सकता हूं और यही जुड़ाव क्रिकेट को इतना ताकतवर बनाता है।' सूर्यकुमार एशिया कप में 15 सदस्यीय भारतीय टीम की अगुवाई करेंगे जबकि टेस्ट कप्तान शुभमन गिल उनके उप कप्तान होंगे। एशिया कप के सभी मैच दो स्थान दुबई और अबुधाबी में आयोजित किए जाएंगे।

एंगिडी ने झटके 5 विकेट, दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर श्रृंखला जीती

मैके (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)। तेज गेंदबाज लुंगी एंगिडी के 5 विकेट से दक्षिण अफ्रीका ने शुक्रवार को यहां दूसरे एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में ऑस्ट्रेलिया पर 84 रन से जीत दर्ज कर तीन मैच की श्रृंखला में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली। एनगिडी ने 42 रन देकर पांच विकेट झटके जिससे ऑस्ट्रेलियाई टीम 278 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 12 ओवर रहते 193 रन पर ढेर हो गई।

मिचेल मार्श की टीम घरेलू मैदान में लगातार चौथे वनडे में 200 रन के अंदर सिमट गई। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के कार्यवाहक कप्तान एडेन मारक्रम ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया जिसके बाद टीम ने मैथ्यू ब्रिट्ज्के (88 रन) और ट्रिस्टन स्टब्स (74 रन) के अर्धशतकों की मदद से 277 रन बनाए। नियमित कप्तान तेम्बा बावुमा को कार्यभार प्रबंधन के अंतर्गत आराम दिया गया था और वह श्रृंखला के रविवार को होने वाले अंतिम वनडे में टीम की अगुआई के लिए उपलब्ध होंगे। तीन मैच की श्रृंखला में लगातार दूसरी दफा ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। टीम केर्न्स में पहले वनडे में 98 रन से हारी थी।

चोटिल कागिसो रबाडा की अनुपस्थिति में दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाजों ने ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष क्रम को झकझोर दिया जिसमें एनगिडी ने दूसरे ही ओवर में मार्नस लाबुशेन को आउट कर दिया। नांद्रे बर्गर ने ट्रेविस हेड का विकेट लिया। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों का शॉर्ट गेंदों के खिलाफ जूझना जारी रहा और कप्तान मार्श भी पावरप्ले में मिडऑन पर लपके गए जिससे टीम ने 38 रन पर तीन विकेट खो दिए। जोश इंगलिस (87 रन) और कैमरन

ग्रीन (35 रन) ने 67 रन की साझेदारी निभाई।

बाएं हाथ के स्पिनर सेनुरान मुथुसैमी ने 23वें ओवर में ग्रीन का रिटर्न कैच लेकर इस भागीदारी का अंत किया। एलेक्स कैरी के आउट होने से ऑस्ट्रेलिया ने 133 रन पर पांचवां विकेट गंवाया। एंगिडी ने फिर निचले क्रम को झकझोर दिया। उन्होंने इंगलिस की पारी का अंत किया जिसमें 10 चौके और दो छक्के जड़े थे। इससे पहले रेयान रिकल्टन (08) और स्टब्स ने चौथे विकेट के लिए 89 रन की साझेदारी निभाई।

मारक्रम स्क्वायर मिड-विकेट पर आसान कैच देकर बिना खाता खोले आउट हो गए। ब्रिट्ज्के ने लगातार चौथा अर्धशतक लगाया जबकि स्टब्स ने 16 वनडे में पहली बार पचास रन का आंकड़ा पार कर टीम को संभाला। ब्रिट्ज्के अपने दूसरे वनडे शतक से चूक गए। टीम ने लगातार दो विकेट गंवा दिए लेकिन फिर भी 300 रन से ज्यादा का स्कोर बनाने की ओर बढ़ रही थी। 40वें ओवर में टीम का स्कोर पांच विकेट पर 233 रन था। लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने छह ओवर के अंदर 31 रन के अंदर चार विकेट खो दिए और 46वें ओवर में स्कोर नौ विकेट पर 264 रन हो गया। वियान मुल्डर ने 21 गेंद में 26 और केशव महाराज ने नाबाद 22 रन बनाए। पर दक्षिण अफ्रीका पांच गेंद रहते 277 रन पर सिमट गया।

अश्विन ने बताया संन्यास का कारण

चेन्नई। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के दौरान अचानक ही संन्यास लेने वाले दिग्गज स्पिनर आर आश्विन ने अब उनके इस फैसले का कारण बताया है। अश्विन ने अपने प्रशंसकों से कहा कि वह ऑस्ट्रेलिया दौरे में बेंच पर ही बैठे-बैठे थक गये गये थे। ऐसे में उनके पास संन्यास लेने के अलावा कोई और रास्ता नहीं था। अश्विन के संन्यास से उनके प्रशंसक भी सकते में आ गये थे, कई लोगों ने इसके लिए कोच गौतम गंभीर और टीम प्रबंधन को जिम्मेदार बताया था। अश्विन ने संन्यास से पहले राहुल द्रविड़ से मजाक में कहा मुझे लगता है कि यह बस समय की बात थी, और मैं अपनी जिंदगी में कहां खड़ा था, है ना? मुझे लगता है कि मैं काफी बूढ़ा हो गया था, यह तो मानना ही पड़ेगा। इसके बाद उन्होंने असली वजहों को बतया और कहा कि विदेशी दौर पर लगातार बैंच पर बैठने की निराशा से वह थक गये थे। अश्विन ने कहा, टूर पर जाना और ज्यादा समय तक बाहर बैठना, आखिरकार मुझ पर हावी हो गया, इससे मेरे मन में खेल से दूर जाने के विचार आने लगे। उन्होंने कहा कि परिवार के साथ समय बिताना भी एक कारण था। साथ ही कहा, मेरा मतलब यह नहीं है कि मैं टीम में योगदान नहीं देना चाहता, बल्कि आप सोच रहे हैं कि क्या मैं घर पर रहकर बच्चों के साथ समय बिताना पसंद करूंगा। वे भी बड़े हो रहे हैं, और मैं असल में क्या कर रहा हूं? अश्विन ने यह भी खुलासा किया कि उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के लिए बहुत पहले ही समय सीमा तय कर ली थी। उन्होंने कहा, मेरे दिमाग में हमेशा से यही था कि मैं 34-35 साल की उम्र में संन्यास ले लूंगा। उन्होंने आगे कहा कि उनका अंतरराष्ट्रीय करियर समाप्त हो गया है पर वह घरेलू क्रिकेट खेलते रहेंगे।

'उसे ज्यादा ज्ञान मत दो' : वैभव सूर्यवंशी के प्रदर्शन से प्रभावित पूर्व भारतीय स्टार की कोचों को सलाह

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 में अपने प्रदर्शन से चर्चा का विषय बने 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने मेगा नीलामी के दौरान राजस्थान रॉयल्स द्वारा 1.10 करोड़ रुपए की बोली का पूरा मुल्य अदा किया। बिहार के इस क्रिकेटर ने 7 मैचों में 252 रन बनाए जिसमें किसी भारतीय द्वारा (35 गेंदों) सबसे तेज आईपीएल शतक भी शामिल है। हाल ही में पूर्व भारतीय विकेटकीपर अंबाती रायुडू ने इस युवा बल्लेबाज की प्रशंसा की और उन्हें सीनियर पुरुष भारतीय टीम में खेलने के लिए प्रोत्साहित किया। रायुडू ने सूर्यवंशी की आक्रामक बल्लेबाजी शैली की सराहना की और कहा कि इस आईपीएल खिलाड़ी को उचित मार्गदर्शन दिया जाना चाहिए। शुभंकर मिश्रा के पॉडकास्ट पर रायुडू ने कहा, 'उसकी बल्ले की गति असाधारण है। जो उसका व्हिप आता है... मुझे उम्मीद है कि कोई इसे नहीं बदलेगा। उसे बेहतर होना चाहिए। लारा जैसा कोई... शायद जाकर उससे बात करे। उसका भी बल्ले का उठाव कुछ ऐसा ही था। इसलिए वह सीख सकता है कि जब आप डिफेंस कर रहे हों और जब आप हल्के हाथ से खेल रहे हों, तो बल्ले की गति को कैसे नियंत्रित किया जाए। इसलिए अगर वह यह सीख लेता है, तो वह एक असाधारण प्रतिभा होगा।'

आईसीसी ने महिला विश्वकप के लिए मैच स्थल में किया एक बदलाव

-बेंगलुरु के मैच मुम्बई में होंगे

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अगले महीने होने वाले महिला एकदिवसीय विश्व कप के लिए एक बदलाव किया है। आईसीसी ने कहा है कि अब बेंगलुरु में होने वाले मैच मुम्बई में होंगे। आईसीसी ने पांच स्थानों में से एक के रूप में बेंगलुरु को सूची से हटा दिया है। विश्वकप टूर्नामेंट 30 सितंबर से शुरू होगा जिसमें अब नवी मुंबई स्थित डीवाई पाटिल स्टेडियम में तीन लीग मैच, एक सेमीफाइनल खेला जाएगा। पाकिस्तान के बाहर होने पर फाइनल सहित पांच मैच यहां आयोजित किए जाएंगे। आईसीसी के अनुसार बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के उपलब्धि नहीं होने के कारण मैच स्थल को मुम्बई कर दिया गया है। आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने कहा, ' अप्रत्याशित हालातों के कारण हमें कार्यक्रम में से हल्का बदलाव करना पड़ा है। हमें खुशी है कि हमारे पास 5 विश्वस्तरीय स्थान हैं, जहां महिला क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ मैच देखने को मिलेंगे। उन्होंने कहा, 'मंच तैयार है और मुझे विश्वास है कि यह टूर्नामेंट कल्पनाओं को साकार करते हुए प्रशंसकों की नई पीढ़ी को प्रेरित करेगा।

आठ टीमों के इस टूर्नामेंट के लिए अन्य मैच स्थलों में गुवाहाटी, इंदौर, विशाखापत्तनम और कोलंबो शामिल हैं। आईसीसी ने हालांकि बेंगलुरु को हटाने के स्पष्ट कारणों के बारे में नहीं बताया है पर पूरी संभावना है कि यह परिवर्तन कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ द्वारा मेजबानी के लिए आवश्यक मंजूरी हासिल करने में असफल होने के कारण किया गया। गौरतब है कि इस साल की शुरुआत में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के आईपीएल जीत की खुशी में हुए जश्न के दौरान मची भगदड़ की जांच के बाद चिन्नास्वामी स्टेडियम को बड़ी प्रतियोगिताओं की मेज़बानी के लिए अयोग्य करार दिया गया था।

भारतीय टीम एशिया कप में नहीं खेले तो भी हमें परेशानी नहीं : अकरम

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने कहा है कि भले ही एशिया कप 2025 में भारत और पाकिस्तान का मुकाबला न हो पाये पर खेल चलते रहने चाहिये। अकरम ने कहा कि एशिया कप का कार्यक्रम घोषित हो गया है और इस पर भारतीय प्रशंसकों की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया हो रही है पर हम शांत हैं। हम खेलें या न खेलें, हमें कोई दिक्कत नहीं होगी। खेल जारी रहना चाहिए। इस बार एशिया कप में भारत और पाकिस्तान को ग्रुप ए में यूएई और ओमान के साथ रखा गया है। दोनों टीमों के बीच 14 सितंब को दुबई में मैच खेला जाएगा। वहीं इस मैच का काफी विरोध भी हो रहा है और प्रशंसक इसे रद्द करने की मांग कर रहे हैं। पाक के साथ मैच खेलने को लेकर टीम इंडिया को भारी विरोध का सामना करना पड़ा रहा है क्योंकि क्रिकेट प्रशंसकों का कहना है कि पहलगाम हमले को देखते हुए पाक के साथ सभी सभी प्रकार के खेल संबंध तोड़ देने चाहिये। उनका कहना है कि जिस प्रकार इंडिया चैंपियंस टीम ने लंदन में हुए वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में पाकिस्तान चैंपियंस के साथ खेलने से इनकार कर दिया था। वैसा ही कुछ एशिया कप में भी होना चाहिये। एशिया कप में हालांकि भारतीय टीम के खेलने पर फैसला क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार करेगा। बीसीसीआई ने एशिया कप के लिए पहले ही सहमति दे दी है इसलिए वह अब मैच के बहिष्कार की बात कहेगा इसकी संभावना काफी कम है। अकरम ने कहा कि भारत में प्रशंसकों के बहिष्कार की अपील से पाकिस्तान परेशान नहीं है और चाहे भारतीय टीम उनके साथ एशिया कप में खेले या नहीं, उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अकरम ने कहा कि एशिया कप का कार्यक्रम घोषित हो गया है और इस पर भारतीय प्रशंसकों की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया हो रही है पर हम शांत हैं। हम खेलें या न खेलें, हमें कोई दिक्कत नहीं होगी। खेल जारी रहना चाहिए। अकरम ने हालांकि कहा कि, वह भारत और पाकिस्तान के बीच एक टेस्ट सीरीज देखना चाहते हैं। गौरतब है कि दोनों टीमों ने एक दशक से ज्यादा समय से कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली है। दोनों टीमों के बीच अंतिम बार टेस्ट सीरीज 2007-08 में हुई थी।

श्रेयस को एकदिवसीय कप्तान बनाने की कोई बात नहीं हुई : सैकिया

-तीनों ही प्रारुपों में एक ही कप्तान बनेगा

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि उसका इरादा भविष्य में एक ही खिलाड़ी को टीम की कप्तानी देना है। ऐसे में इस प्रकार की रिपोर्ट गलत है जिसमें कहा गया है कि आने वाले समय में एकदिवसीय प्रारुप की कप्तानी श्रेयस अय्यर को सौंपी जाएगी। शुभमन अभी टेस्ट कप्तान और टी20 में उप्तान बनाये गये हैं और भविष्य में उनके ही तीनों प्रारुपों की कमान संभालने की उम्मीद है। वहीं इससे पहले कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि बोर्ड अय्यर को एकदिवसीय कप्तान के तौर पर रोहित शर्मा की जगह पर रखना चाहता है। इसमें कहा गया था कि शुभमन को भविष्य में सूर्यकुमार यादव के बाद टी20 की भी कप्तानी सौंपी जाएगी और अय्यर एकदिवसीय की जिम्मेदारी संभालेंगे पर बीसीसीआई ने उन रिपोर्ट्स को गलत बताया है। बोर्ड सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि ऐसी कोई बात नहीं हुई है। साथ ही कहा कि आगे चलकर तीनों ही प्रारुपों की कमान एक ही खिलाड़ी को मिल सकती है। रोहित अभी 38 साल के हैं और उनका कैरियर समाप्त होने की ओर है। उन्होंने टी20 और टेस्ट क्रिकेट से पहले ही संन्यास ले लिया है। ऐसे में उनकी नजर 2027 के एकदिवसीय विश्वकप पर है। इस प्रारुप में वह अभी भी विश्व के सबसे बेहतर बल्लेबाजों में हैं। हालांकि, बढ़ती उम्र की वजह से वह अगले विश्व कप तक खेल पाएंगे इसकी संभावना बेहद कम है। ऐसे में श्रेयस एकदिवसीय में रोहित के उत्तराधिकारी के लिए दावेदार तो हैं प वह बोर्ड की पहली पसंद नहीं हैं। उनकी जगह पर वर्तमान टेस्ट कप्तान शुभमन गिल एकदिवसीय कप्तानी के लिए पहली पसंद हैं। शुभमन का एकदिवसीय में 59 का औसत है और पहले से ही टीम के उपकप्तान हैं। उनकी उम्र भी अभी 25 साल ही है और उनके सामने लंबा समय है। ऐसे में उनके भविष्य में एकदिवसीय कप्तान बनने की सबसे ज्यादा उम्मीद हैं।

यूपी टी20 लीग क्रिकेट टूर्नामेंट : रिंकू ने तेजी से शतक लगाकर मेरठ माविरक्स को जीत दिलायी, एशिया कप से पहले फार्म में आये

लखनऊ। बल्लेबाज रिंकू सिंह ने यहां जारी यूपी टी20 लीग क्रिकेट टूर्नामेंट में तेजी से अर्धशतक लगाकर अपना पुराना फार्म हासिल कर लिया है। इस टूर्नामेंट में मेरठ माविरक्स की कप्तानी कर रहे रिंकू ने गोरखपुर लायंस के खिलाफ मुकाबले में शतक लगाकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। रिंकू ने अपनी इस पारी में जमकर चौके और छक्के लगाये। उन्होंने 48 गेंदों पर 8 छक्के और 7 चौके के साथ ही नाबाद 108 रन बनाए। रिंकू जब बल्लेबाजी के लिए उतरे थे जब उनकी टीम ने 38 रनों पर ही 4 विकेट खो दिये थे। इसके बाद रिंकू ने आक्रामक रुख अपनाते हुए आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। रिंकू ने इसी के साथ ही एशिया कप के लिए भी अपने चयन को भी सही साबित किया है। इस मैच में मेरठ मावरिक्स की टीम को जीत किए 168 रनों का लक्ष्य मिला। लक्ष्य का पीछा करते हुए रिंकू की टीम ने 8 ओवर में 38 रनों पर ही चार विकेट खो दिये। उसके शीर्ष क्रम के चार बल्लेबाज 15 रन भी नहीं बना पाये। इसके बाद रिंकू ने युवराज सिंह के साथ मिलकर पांचवे विकेट के लिए 65 गेंदों पर ही 130 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिला दी। युवराज सिंह ने भी 22 गेंदों पर नाबाद 22 रन बनाकर रिंकू का अच्छा साथ निभाया। रिंकू ने मेरठ माविरक्स की पारी के 19वें ओवर की शुरुआती 3 गेंदों पर छक्के लगाकर मैच पलट दिया। इससे पहले उन्होंने 18वें ओवर में दो चौके और एक छक्का लगाया था। वहीं गोरखपुर लायंस ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुएक प्तान ध्रुव जुरेल के 38 रनों की सहायता से 9 विकेट पर 167 रन बनाए थे। ध्रुव के अलावा अन्य सभी बल्लेबाज विफल रहे।

एशिया कप में भारत-पाक मुकाबले पर पूर्व भारतीय क्रिकेटर का बयान, आश्चर्य हुआ कि यह मैच होने जा रहा है

कोलकाता (पश्चिम बंगाल) (एजेंसी)। एशिया कप 2025 से पहले पूर्व भारतीय क्रिकेटर मनोज तिवारी ने भारत-पाकिस्तान मुकाबला खेला जाना चाहिए या नहीं, इस पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि उन्हें यह देखकर बहुत आश्चर्य हुआ कि यह मैच पहलगाम आतंकी हमले के बाद हो रहा है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ करेगा, जबकि पाकिस्तान के खिलाफ हाई-वोल्टेज मैच 14 सितंबर को दुबई में खेला जाएगा। दोनों मैच दुबई में खेले जाएंगे। भारत अपना अंतिम ग्रुप चरण का मैच 19 सितंबर को अबू धाबी में ओमान के खिलाफ खेलेगा।

यह लोकप्रिय क्रिकेट मैच होना चाहिए या नहीं, यह सवाल टूर्नामेंट से पहले एक बड़ा विवाद रहा है, खासकर तब जब भारतीय दिग्गज टीमों ने हाल ही में वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (WCL) में पाकिस्तान के खिलाफ अपने मैच नहीं खेले थे। चूंकि यह एक बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट है और इसमें खिताब दांव पर लगा है, इसलिए इस मैच के आयोजन का समर्थन करने वालों की आवाजें उठ रही हैं, लेकिन एक बड़ा वर्ग इस मैच के बहिष्कार की भी मांग कर रहा है।

इसका कारण ऑपरेशन सिंदूर है, जो 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान समर्थित आतंकी समूहों के खिलाफ मई में भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा शुरू किया गया था। भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में आतंकी ढांचे पर लक्षित हमले किए जिसके परिणामस्वरूप जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे समूहों से जुड़े 100 से ज़्यादा आतंकवादी मारे गए।

भारत-पाकिस्तान मैच के बारे में हुए मनोज तिवारी ने कहा, 'मुझे थोड़ा आश्चर्य हो रहा है कि यह मैच होने जा रहा है... पहलगाम हमले के बाद जिसमें कई निर्दोष नागरिक मारे गए थे, और उसके बाद हुए युद्ध के बाद बहुत सी बातें चल रही थीं कि इस बार हम करारा जवाब देंगे। इसके बावजूद कुछ महीनों बाद सब कुछ भुला दिया गया... मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि यह मैच हो रहा है, मानव जीवन का मूल्य शून्य हो सकता है। वे पाकिस्तान के साथ खेलकर क्या हासिल करना चाहते हैं?... मानव जीवन का मूल्य खेल से बढ़कर होना चाहिए... मेरे मैच देखने का तो सवाल ही नहीं उठता...'

एशिया कप 2025 के लिए मंगलवार को भारतीय टीम की घोषणा की गई जिसमें कप्तान सूर्यकुमार टीम की कमान संभालेंगे और शुभमन गिल उप-कप्तान होंगे, जबकि कई बड़े नाम गायब हैं। टीम की घोषणा एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान की गई, जिसमें टी20 कप्तान सूर्यकुमार और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर शामिल हुए। यह प्रेस कॉन्फ्रेंस एक चयन बैठक के बाद आयोजित की गई थी जिसमें भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) के सचिव देवजीत सैकिया भी शामिल थे। मुख्य टीम में शीर्ष क्रम में यशस्वी जायसवाल और श्रेयस अय्यर जैसे कुछ बड़े

नाम गायब हैं जिन्होंने इस साल राजस्थान रॉयल्स (RR) और पंजाब किंग्स (PBKS) के लिए शानदार आईपीएल सीजन खेले। जायसवाल को ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर, ऑलराउंडर रियान पराग, तेज गेंदबाज़ प्रसिद्ध कृष्णा और विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल के साथ रिजर्व में हैं।

एशिया कप के लिए भारतीय टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुबमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), जसप्रित बुमरा, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, संजू सैमसन (विकेटकीपर), हर्षित राणा, रिंकू सिंह

रिजर्व खिलाड़ी : प्रसिद्ध कृष्णा, वाशिंगटन सुंदर, रियान पराग, ध्रुव जुरेल, यशस्वी जयसवाल।

पॉडकास्ट शो 'ऑल अबाउट हर' की मेजबानी करेंगे सोहाअली खान

बालीवुड अभिनेत्री सोहा अली खान अपनी पॉडकास्ट सीरीज 'ऑल अबाउट हर' की मेजबानी करने जा रही हैं। इस पॉडकास्ट शो का प्रीमियर 22 अगस्त से यूट्यूब पर होगा। यह महिला-केंद्रित शो होगा जिसमें महिलाओं से जुड़े मुद्दों और उनकी कहानियों को प्रमुखता दी जाएगी। इस पॉडकास्ट में विभिन्न क्षेत्रों की नामी महिलाएं मेहमान बनकर आएंगी। मलाइका अरोड़ा, करीना कपूर खान, स्मृति ईरानी, राधिका गुप्ता, पत्रलेखा, सनी लियोन जैसी जानी-मानी हस्तियां इसमें शामिल होंगी। वहीं, चिकित्सा और स्वास्थ्य जगत से डॉ. किरण कोएल्हो, डॉ. रंजना धनु और रुजुता दिवेकर जैसी विशेषज्ञ भी इसमें हिस्सा लेंगी। शो में कामकाजी महिलाओं की चुनौतियां, घर और दफ्तर के बीच संतुलन, निवेश और फाइनेंशियल इंडिपेंडेंस के तरीके, मानसिक स्वास्थ्य जैसे अहम विषयों पर खुलकर बातचीत होगी। सोहा अली खान ने इस शो को लेकर अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा, 卐पिछले कुछ सालों में मैंने महसूस किया कि महिलाएं जीवन में कई बदलावों से गुजरती हैं शारीरिक, मानसिक, मातृत्व, काम और व्यक्तिगत संतुलन जैसे पहलुओं पर। लेकिन अक्सर इन्हें अनदेखा कर दिया जाता है। हमें मजबूत बनने के लिए कहा जाता है, लेकिन अपनी कमजोरी दिखाने की इजाजत नहीं होती। हमें आगे बढ़ने को कहा जाता है, लेकिन आवाज उठाने की हिम्मत नहीं दी जाती। 'ऑल अबाउट हर' के जरिए मैं इसे बदलना चाहती हूं।' सोहा ने आगे कहा कि उनका उद्देश्य एक ऐसा मंच देना है जहां महिलाएं बिना किसी हिचकिचाहट, आलोचना या रोक-टोक के अपनी बात कह सकें। उन्होंने कहा, 'मैं चाहती थी कि यह बातचीत सहज, ईमानदार और कभी-कभी असहज भी हो, लेकिन अंत में हीलिंग का अनुभव दे।'

बागी-4 का रोमांटिक गाना 'गुजारा' रिलीज, फैंस का जीता दिल

बॉलीवुड फिल्म 'बागी-4' में जबर्दस्त अभिनय को लेकर अभिनेता टाइगर श्रॉफ जबरदस्त चर्चा में हैं। फिल्म का टीजर हाल ही में लॉन्च हुआ था। अब फिल्म का पहला रोमांटिक गाना 'गुजारा' रिलीज कर दिया गया है। यह गाना आज टी-सीरीज के यूट्यूब चैनल पर जारी हुआ, जिसने रिलीज के साथ ही फैंस का दिल जीत लिया। इस गाने में टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आ रही हैं मिस यूनिवर्स रह चुकीं हरनाज संधू। दोनों के बीच की रोमांटिक केमिस्ट्री ने दर्शकों को बेहद प्रभावित किया है। गाने की कहानी रॉनी यानी टाइगर श्रॉफ और उनकी प्रेमिका के इर्द-गिर्द घूमती है। रॉनी अपने प्यार के लिए किसी भी हद तक जाने और सब कुछ कुर्बान करने को तैयार दिखते हैं। इससे साफ हो गया है कि फिल्म में एक्शन और ड्रामा के साथ-साथ एक खूबसूरत लव स्टोरी भी देखने को मिलेगी।

'गुजारा' गाना रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगा। दर्शकों ने इसकी धुन, बोल और रोमांटिक अंदाज की जमकर तारीफ की। इसे आवाज दी है जोश बरार और परंपरा ठाकुर ने, जबकि इसके बोल जगदीप और कुमार ने लिखे हैं। संगीतकार हैं सलामत अली मतोई और जोश बरार। गाने की शूटिंग शानदार लोकेशंस पर हुई है, जो इसे और भी आकर्षक बना देती है। फिल्म की कहानी और पटकथा लिखी है साजिद नाडियाडवाला ने, जबकि निर्देशन की जिम्मेदारी ए. हर्ष के पास है। मेकर्स का कहना है कि 'बागी-4' अब तक की सबसे बड़ी और रोमांचक किस्त होगी, जिसमें धमाकेदार एक्शन, इमोशंस और अराजकता से भरी कहानी देखने को मिलेगी।

गाने की सफलता पर गायक जोश बरार ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, 卐जब पहली बार यह गाना साजिद नाडियाडवाला और भूषण कुमार ने सुना, तब ही उन्होंने तय कर लिया था कि इसे 'बागी-4' में जगह दी जाएगी। यह मेरे लिए बहुत बड़ा मौका है और मैं टाइगर और हरनाज का आभारी हूं, जिन्होंने गाने में जान डाल दी।卐 फैंस अब फिल्म के बाकी गानों और ट्रेलर का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

जॉर्जिया के फैशन में झलकता है शाही अंदाज

हॉलीवुड अभिनेत्री जॉर्जिया एंड्रियानी इंडो-इटैलियन चार्म और फैशन स्टाइल के लिए जाना जाता है। उनके फैशन में ही का शाही अंदाज़ झलकता है। इसकी घेरदार स्कर्ट पर सुनहरी ज़री और पारंपरिक मोटिफ्स इसे त्योहारों और शादी समारोह के लिए परफेक्ट बनाते हैं।

वहीं, मस्टर्ड येलो लहंगे पर सोने की बारीक कढ़ाई और केप-स्टाइल दुपट्टा, लुक को भव्य और मॉडर्न टच देता है। उनका बरगंडी-गोल्ड लहंगा दुल्हन के फैशन का क्लासिक उदाहरण है। सिर पर दुपट्टे और ज्वेल टोन डिटेलिंग ने इसे ऑथेंटिक और रोमांटिक दोनों बना दिया। इसी तरह, पिंक, ब्लू, सिल्वर और गोल्ड का मल्टीकलर्ड लहंगा उनकी एक्सपेरिमेंटल स्टाइल को सामने लाता है। डिटैच्ड स्लीव्स और मॉडर्न ड्रेपिंग इसे मॉडर्न ब्राइड्स के लिए खास बनाती है। ऑम्ब्रे लहंगा, पारंपरिक सोने की कढ़ाई और गहरे रंगों के साथ, जॉर्जिया की क्लासिक फैशन समझ को उजागर करता है। स्टेटमेंट ज्वेलरी और आत्मविश्वास भरी स्टाइलिंग उनके हर लुक को आकर्षक बनाती है। जॉर्जिया का यह कलेक्शन दिखाता है कि कैसे पारंपरिक भारतीय फैशन को आधुनिक फ्लेयर और पर्सनल स्टाइल के साथ खूबसूरती से अपनाया जा सकता है। यही संतुलन उन्हें एक सच्चा फैशन आइकन बनाता है। बता दें कि जॉर्जिया एंड्रियानी अपने इंडो-इटैलियन चार्म और फैशन स्टाइल के लिए जानी जाती हैं।

पारंपरिक भारतीय पहनावे को आधुनिक अंदाज़ में पेश करने की उनकी कला उन्हें बाकी से अलग पहचान देती है। खासतौर पर लहंगे को उन्होंने केवल रस्मों तक सीमित न रखकर, आत्मविश्वास और पर्सनल स्टाइल का प्रतीक बना दिया है। उनके कलेक्शन में अलग-अलग तरह के लहंगे देखने को मिलते हैं। कोरल रेड लहंगा, जिसमें सुनहरी कढ़ाई और घेरदार स्कर्ट है, क्लासिक ब्राइडल एलीगेंस को बखूबी दर्शाता है। वहीं, काले और सफेद ज्यामितीय प्रिंट वाला लहंगा एक फन और फ्रेश ट्विस्ट देता है, जो यह साबित करता है कि पारंपरिक आउटफिट्स आरामदायक भी हो सकते हैं।

हंसना-हंसाना छोड़ गए जसविंदर भल्ला

पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर कॉमेडियन और अभिनेता जसविंदर भल्ला का 65 साल की उम्र में निधन हो गया है। उनके निधन से पंजाबी सिनेमा और दर्शकों के बीच शोक की लहर है। अपनी अद्भुत कॉमिक टाइमिंग और शानदार अदाकारी के लिए जाने जाने वाले जसविंदर भल्ला ने गुरुवार की सुबह मोहाली के फोर्टिस अस्पताल में अंतिम सांस ली। वे कुछ समय से बीमार चल रहे थे।

कॉमेडियन बनने से पहले प्रोफेसर थे

बहुत कम लोग जानते हैं कि जसविंदर भल्ला का करियर सिर्फ एक्टिंग तक सीमित नहीं था। उनका जन्म 4 मई 1960 को लुधियाना में हुआ था। उन्होंने पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (क्क) से अपनी क्ब्स.ष्और रूस.ष्की पढ़ाई पूरी की और बाद में चौधरी चरण सिंह पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज मेरठ से पीएचडी भी की।

भल्ला ने अपना करियर क्क में एक सहायक प्रोफेसर के रूप में शुरू किया था। अपनी सेवानिवृत्ति तक वे विस्तार शिक्षा विभाग में प्रोफेसर और प्रमुख के पद पर कार्यरत रहे।

ऑडियो कैसेट से शुरू हुआ कॉमेडी का सफर

जसविंदर भल्ला ने अपने पेशेवर कॉमेडी करियर की शुरुआत 1988 में अपने सहपाठी बाल मुकुंद शर्मा के साथ ऑडियो कैसेट 'छनकटा 1988' से की थी। यह सीरीज इतनी सफल रही कि उन्होंने इसकी 27 से भी ज्यादा ऑडियो और वीडियो एल्बम जारी किए। 'छनकटा' में 'चाचा चतर सिंह' और 'भाना' जैसे उनके किरदार बहुत मशहूर हुए जिनके माध्यम से उन्होंने पंजाबी समाज और राजनीति पर व्यंग्य किया।

उन्होंने 1998 में फिल्म 'छनकता 88' से एक हास्य कलाकार के रूप में पंजाबी सिनेमा में कदम रखा और फिर 'दुल्ला भट्टी' से एक मुख्य अभिनेता के रूप में अपनी पहचान बनाई।

परिवार और नेटवर्थ

जसविंदर भल्ला के पिता मास्टर बहादुर सिंह भल्ला भी एक शिक्षक थे। उनकी पत्नी परमदीप भल्ला एक फाइन आर्ट टीचर हैं। उनके दो बच्चे हैं- बेटा पुखराज भल्ला जो खुद एक एक्टर हैं और बेटी अशदीप कौर जिनकी शादी नॉर्वे में हुई है।

भल्ला ने अपने फिल्मी करियर में कई हिट फिल्में दीं जिनमें 'कैरी ऑन जट्टा', 'जट एंड जूलियट', 'मेल करा दे रब्बा' और 'जिह्ने मेरा दिल लुटेया' जैसी फिल्में शामिल हैं। फिल्मों में उनके कुछ खास डायलॉग्स, जैसे 'मैं ता भंदुउ बुल्लां नाल अखरोटे' और 'ढल्लों ने काला खाट ऐवें नी पेयया', दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय हुए। पंजाबी इंडस्ट्री के जाने-माने चेहरे जसविंदर भल्ला की कुल संपत्ति करीब 87 मिलियन थी। उनका जाना पंजाबी मनोरंजन जगत के लिए एक बड़ा नुकसान है।

मैडॉक फिल्म्स की आगामी फिल्म 'थामा' का टीजर रिलीज

मैडॉक फिल्म्स ने अपनी अगली फिल्म 'थामा' का टीजर रिलीज कर दिया गया है। करीब 1 मिनट 49 सेकंड लंबे इस टीजर की शुरुआत घने जंगल के सीन से होती है, जहां आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना रोमांटिक पलों में नजर आते हैं। इसी बीच बैकग्राउंड से आवाज आती है, 卐रह पाओगी मेरे बिना? 100 साल तक?卐 जिस पर रश्मिका जवाब देती हैं, 卐100 साल तो क्या, एक पल के लिए भी नहीं।卐 इसके बाद कहानी अचानक रोमांस से निकलकर डर और थ्रिल की ओर मुड़ जाती है। टीजर में आयुष्मान खतरनाक ताकतों और जंगली जानवरों से जूझते दिखते हैं, जबकि जंगल में अजीब और डरावनी घटनाएं घटती हैं। कई सीक्वेंस ऐसे हैं जो रोंगटे खड़े कर देते हैं। वहीं, टीजर में मलाइका अरोड़ा के डांस की झलक भी दिखाई गई है। फिल्म की स्टारकास्ट भी काफी दमदार है। आयुष्मान और रश्मिका के अलावा इसमें फैसल मलिक ('पंचायत' फेम प्रह्लाद चा), नवाजुद्दीन सिद्दीकी और परेश रावल जैसे अनुभवी कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। खासकर टीजर के अंत में नवाजुद्दीन डरावने लुक में दिखते हैं और कहते हैं, 卐पिछले 75 सालों से कोई रोमांस नहीं देखा मैंने... चालू रखो।卐 यह डायलॉग फिल्म के रोमांस और हॉरर दोनों पहलुओं को और भी दिलचस्प बनाता है। निर्देशक आदित्य सरपोतदार ने फिल्म का निर्देशन किया है। मैडॉक फिल्म्स ने इसे अपनी पहली हॉरर लव स्टोरी बताया है।

शीबा चड्ढा चाहती हैं अब चुनौतीपूर्ण किरदार

वेब सीरीज़ 'बकैती' में सुषमा कटारिया के किरदार से अभिनेत्री शीबा चड्ढा दर्शकों का दिल जीत रही हैं। अभिनेत्री मां की भूमिका में हमेशा की तरह अपने सहज लेकिन गहरे अभिनय से छाप छोड़ती हैं। उन्हें मां जैसे किरदारों में काफी सराहना मिली है, लेकिन अब शीबा खुद को और चुनौती देना चाहती हैं। उन्होंने कहा मैं खुश हूं कि मुझे अच्छे सेट्स और बेहतरीन लोगों के साथ काम करने का मौका मिलता है, यह मेरे लिए आशीर्वाद है। लेकिन अब मैं ऐसे किरदार निभाना चाहती हूं जो मां की भूमिका तक सीमित न हों, बल्कि कुछ अलग और दमदार कहानियां कहने का अवसर दें।

सीरीज़ की कहानी पुराने गाज़ियाबाद की गलियों में बसे एक मिडिल क्लास परिवार पर आधारित है। इसमें रोज़मर्रा की दिक़्क़तें, भाई-बहनों की नोकझोंक और परिवार का प्यार बड़े सच्चे अंदाज़ में दिखाया गया है। कहानी तब मोड़ लेती है जब नैना (तान्या शर्मा) को मजबूरी में अपने शरारती भाई भरत (आदित्य शुक्ला) के साथ कमरा शेयर करना पड़ता है और हालात धीरे-धीरे परिवार की शांति को हिला देते हैं। ऐसे में शीबा का किरदार भावनात्मक सहारा बनकर सामने आता है। निर्देशक अमित गुप्ता की इस सीरीज़ में शीबा के साथ राजेश तैलंग, तान्या शर्मा, आदित्य शुक्ला मुख्य भूमिकाओं में हैं।

फोटोग्राफी के प्रति अपने शौक का खुलासा किया मृणाल ने

हाल ही में बॉलीवुड एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिन्हें उन्होंने खुद क्लिक किया है। एक्ट्रेस ने फोटोग्राफी के प्रति अपने शौक और नए सफर का खुलासा किया। मृणाल ने लिखा कि उन्होंने थोड़ी हिम्मत करके यह तस्वीरें पोस्ट की हैं और मजाकिया अंदाज में कहा कि शायद बाद में इन्हें डिलीट भी कर दें। उन्होंने आगे लिखा कि वह हमेशा से मानती रही हैं कि एक तस्वीर हजार शब्दों के बराबर होती है और जब से उन्होंने फोटोग्राफी को गंभीरता से लेना शुरू किया है, यह बात और भी सच लगने लगी है। अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें फोटोग्राफी हमेशा से आकर्षित करती रही है और अब वह इसे और गहराई से समझना चाहती हैं। उनके मुताबिक, उनके अंदर हमेशा से कुछ नया सीखने और जानने की जिज्ञासा रही है।

पिछले साल जब उन्होंने अपना पहला कैमरा खरीदा, तो यह शौक और पुख्ता हो गया। हालांकि कैमरा खरीदने के साथ एक डर भी था कि कहीं इसे संभाल न पाएं या खराब न कर दें, लेकिन फिर उन्होंने खुद को समझाया कि कोशिश किए बिना कुछ हासिल नहीं होता। उन्होंने कहा कि वर्ल्ड फोटोग्राफी डे आने वाला है, इसलिए उन्होंने अपनी खींची कुछ तस्वीरें अपने प्रशंसकों के साथ साझा करने का निर्णय लिया। मृणाल का मानना है कि यह सफर सिर्फ क्लिक करने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें धैर्य, रुकना और ओवरथिंकिंग जैसी प्रक्रियाएं भी शामिल हैं। फोटोग्राफी में इस नए प्रयोग के साथ-साथ मृणाल अपने वर्कफ्रंट को लेकर भी चर्चा में हैं।

हाल ही में वह फिल्म 'सन ऑफ सरदार-2' में नजर आई थीं। अब वह अपनी अपकमिंग फिल्म 'डकैत' को लेकर सुर्खियों में हैं, जिसमें उनके साथ साउथ इंडस्ट्री के लोकप्रिय अभिनेता अदिवी सेश मुख्य भूमिका निभाते दिखेंगे। फिल्म में दिग्गज फिल्ममेकर अनुराग कश्यप भी एक अहम रोल में दिखाई देंगे। इसे शनील देव ने निर्देशित किया है और सुप्रिया यारलागड्डा व सुनील नारंग के सहयोग से अन्नपूर्णा स्टूडियोज ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म इसी साल 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मृणाल की यह पहल उनके व्यक्तित्व के एक नए पहलू को सामने लाती है।

विश्व हिन्दू परिषद के स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 22 अगस्त। विश्व हिन्दू परिषद के स्थापना दिवस के अवसर पर दमण में कार्यक्रम आयोजित किया गया था। विश्व हिन्दू परिषद के स्थापना के 61 वर्ष पूर्ण होने पर दमण के भवानी माता मंदिर में कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया भी उपस्थित रहे। इस मौके पर संयुक्त रुप से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया और आरती उतारी गई।

खारीवाड के नीलकंठ महादेव मंदिर में हुई शिवरात्रि पूजा, डीएमसी के पूर्व प्रेसिडेंट जयंती पटेल हुए शामिल

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 22 अगस्त। दमण के खारीवाड विस्तार स्थित नीलकंठ महादेव मंदिर में आज शिवरात्रि पूजा की गई। इस दौरान नीलकंठ महादेव का श्रृंगार किया गया था। साथ ही मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन किया गया। इस अवसर पर डीएमसी के पूर्व प्रेसिडेंट जयंती पटेल ने भी उपस्थित रहकर शिवरात्रि पूजा की।

दमण की प्रज्ञा संस्कृति अकादमी ने जीता नेशनल डांस एंड म्यूजिक कॉम्पिटिशन और कल्चरल फेस्टिवल नांदेड महाराष्ट्र 2025

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 22 अगस्त। सप्तरंग सेवाभावी संस्था नांदेड महाराष्ट्र द्वारा 15 से 17 अगस्त 2025 तक तीन दिवसीय राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय डांस कॉम्पिटिशन एंड फेस्टिवल आयोजित किया था। इस नृत्य स्पर्धा में पूरे भारत भर से कई स्पर्धकों ने हिस्सा लिया था। जिसमें दमण की प्रज्ञा संस्कृति अकादमी की छात्राओं जीविशा शुक्ला, वृंदा भानुशाली, तश्वी भट्ट, दिया निगम, अनाया पटेल, ग्रेसी पटेल और चित्रा निगम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करके ग्रुप सेमी क्लासिकल जूनियर केटेगरी में द्वितीय स्थान और हिमानी सिद्धा, द्विती पटेल और कांक्षति कामली ने ग्रुप सेमी क्लासिकल सीनियर नृत्य केटेगरी में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसके उपरांत सोलो शास्त्रीय नृत्य केटेगरी में तश्वी भट्ट ने प्रथम पुरस्कार जीता और ग्रेसी पटेल ने सोलो सेमी क्लासिकल जूनियर केटेगरी में प्रथम सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। प्रज्ञा संस्कृति अकादमी की गुरु जहान्वी पंकज देसाई ने भी फेस्टिवल केटेगरी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करके बेस्ट परफार्मेंस का अवॉर्ड एवं सप्तरंग कला उपासक का अवॉर्ड जीता। अकादमी की प्रमुख प्रज्ञा देसाई ने सोलो गायन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया और चैतल देसाई ने सोलो गायन प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त करके दमण और संघ प्रदेश थ्रीडी का नाम रोशन किया।

जिला प्रशासन ने दमण में गणपति मूर्ति विसर्जन के लिए निर्धारित किये स्थल

■ मोटी दमण जेटी, नानी दमण जेटी, कडैया बिच और जंपोर बिच पर किया जा सकेगा गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 22 अगस्त। दमण जिला प्रशासन द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी कर गणेशोत्सव के दौरान पीओपी से बनी मूर्तियों का उपयोग न करने और पर्यावरण अनुकूल गणेश मूर्तियों का ही उपयोग करने के लिए सभी नागरिकों से अपील की गई है। वहीं जिला प्रशासन ने गणपति मूर्ति विसर्जन के लिए दमण जिले में चार स्थानों को अधिकृत किया है। जिसमें मोटी दमण जेटी, नानी दमण जेटी, कडैया बिच और जंपोर बिच पर गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन करने के लिए निर्देशित किया गया है। इन चार स्थानों के अलावा अन्य किसी भी स्थान पर गणपति मूर्ति का विसर्जन करना सख्त मना है। नियमों का उल्लंघन करने पर कानूनी कार्रवाई की जायेगी। जिला प्रशासन द्वारा सभी नागरिकों से अनुरोध किया गया है कि प्रशासन द्वारा निर्धारित स्थानों पर ही गणपति प्रतिमा विसर्जन करे और नियमों का पालन करें।

अहमदाबाद विमान दुर्घटना में मृत रमीलाबेन के मोक्षार्थ वात्सल्य संस्था के मनोदिव्यांग बच्चों को वितरित किया गया यूनिफॉर्म ट्रैकसूट

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 22 अगस्त। अहमदाबाद विमान दुर्घटना में जान गंवाने वाली दीव के फुदम निवासी स्व. रमीलाबेन हिंमत कुमार के मोक्षार्थ उनके परिवार की ओर से वात्सल्य संस्था के मनोदिव्यांग बच्चों तथा स्टाफ को 44 जोडी यूनिफॉर्म ट्रैकसूट वितरित किया गया। इस अवसर पर वात्सल्य संस्था के बच्चों ने यूनिफॉर्म ट्रैकसूट स्वीकार करके स्व. रमीलाबेन के मोक्ष के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। वात्सल्य संस्था की ओर से नितीनभाई का आभार व्यक्त किया।

दमण पुलिस ने एटीएम कार्ड स्वैपिंग घोटाले का किया खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 22 अगस्त। दमण पुलिस ने एटीएम कार्ड स्वैपिंग घोटाले के एक मामले को सफलतापूर्वक सुलझा लिया है और अपराध में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा जारी प्रेसनोट में बताया गया है कि शिकायतकर्ता रामसिंह सैन (49 वर्ष) निवासी दाभेल, नानी दमण ने 14/02/2025 को कचीगाम पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि 10/02/2025 को सोमनाथ स्थित एक एटीएम से पैसे निकालते समय दो व्यक्तियों ने यह कहकर धोखा दिया कि उनका कार्ड ब्लॉक हो गया है। उन्होंने उनका कार्ड ले लिया, उनका पिन पूछा और बाद में एक अलग कार्ड लौटा दिया। इसके तुरंत बाद उनकी पत्नी को 17,000 रुपये की दो अनधिकृत निकासी के बारे में एसएमएस अलर्ट प्राप्त हुए, जिस पर उन्हें पता चला कि उनका एटीएम कार्ड बदल दिया गया था। इसी शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 316(2), 318(4) के तहत कचीगाम पुलिस स्टेशन में एक प्राथमिकी संख्या 13/2025 दर्ज की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए दमण पुलिस अधीक्षक केतन बंसल और एसडीपीओ तनु शर्मा की देखरेख में कचीगाम पुलिस स्टेशन एसएचओ शशि कुमार सिंह के नेतृत्व में एक समर्पित पुलिस दल का गठन किया गया। जांच के दौरान एटीएम और सड़क और सीमा सहित आस-पास के इलाकों से सीसीटीवी फुटेज प्राप्त किए गए और उनका विश्लेषण किया गया, जिससे पता चला कि आरोपी चंदनकुमार माणिक सिंह वापी डूंगरा, गुजरात निवासी और नवादा, बिहार के मूल निवासी के नाम पर पंजीकृत मोटरसाइकिल संख्या जीजे-15-ईबी-2732 का उपयोग कर रहे थे और यह पुष्टि हुई कि चंदनकुमार स्वयं अपराध में शामिल था। इसके बाद उसके खिलाफ एक गैर-जमानती वारंट जारी किया गया और पुलिस टीम उसे पकड़ने के लिए बार-बार उसके निवास के साथ-साथ उसके मूल निवास पर भी गई। हालांकि, पुलिस की छापेमारी के दौरान वह बार-बार अपने घर और अपने पैतृक स्थान से भाग जाता था। विशेष पुलिस दल द्वारा आरोपी पर तकनीकी निगरानी रखी गई और गुप्त सूचना के आधार पर अंततः चंदनकुमार को दमण से गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ के दौरान उसने अपनी संलिप्तता स्वीकार की और अपने साथी अयोध्या नारायण सिंह का नाम बताया जो गुजरात के वापी डूंगरा का निवासी है और मूल रूप से बिहार के गया का रहने वाला है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दमण क्षेत्र से अयोध्या नारायण सिंह को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों ने उक्त अपराध कबूल कर लिया। अपराध में प्रयुक्त मोटरसाइकिल नंबर जीजे-15-ईबी-2732 आरोपी के एक रिश्तेदार से बरामद कर पंचनामा के तहत जब्त कर ली गई। आरोपी चंदनकुमार माणिक सिंह एक आदतन अपराधी है जो पहले कई मामलों में शामिल रहा है। जिसमें एफआईआर संख्या 10/2023 - तटीय पुलिस स्टेशन मोटी दमण (आईपीसी की धारा 379, 406, 420 के तहत), एफआईआर संख्या 46/2018 - हिसुआ थाना, नवादा, बिहार (आईपीसी की धारा 413, 414 के तहत), एफआईआर संख्या 293/2018 हिसुआ थाना, नवादा, बिहार (आईपीसी की धारा 341, 323, 379, 504, 506, 34 के तहत), एफआईआर संख्या 316/2022 - हिसुआ थाना, नवादा, बिहार (आईपीसी की धारा 341, 323, 324, 307, 379, 504, 506, 34 के तहत) (आईपीसी) एवं एफआईआर संख्या 5136010240544/2024 हिसुआ थाना, नवादा, बिहार (धारा 37(2), बिहार निषेध एवं उत्पाद शुल्क (संशोधन) अधिनियम, 2022 के अंतर्गत) मामलों में शामिल है। अयोध्या नारायण सिंह - एक आदतन अपराधी है और एफआईआर संख्या 10/2023 - तटीय पुलिस स्टेशन, मोटी दमण (आईपीसी की धारा 379, 406, 420 के अंतर्गत) अपराध में शामिल है। दोनों आरोपियों को 21/08/2025 को गिरफ्तार किया गया था और वे वर्तमान में न्यायिक हिरासत में हैं। आगे की जाँच जारी है। दमण पुलिस नागरिकों की सुरक्षा और धोखाधड़ी एवं आपराधिक गतिविधियों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराती है।

सिलवासा में शतरंज इंटर स्कूल टूर्नामेंट बॉयज एवं गर्ल्स का हुआ आयोजन

असली आजादी न्यूज नटेवर्क, सिलवासा 22 अगस्त। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव तथा लक्षद्वीप के प्रशासक प्रफुल पटेल के दिशानिर्देश में खेल एवं युवा मामले विभाग द्वारा शतरंज इंटर स्कूल टूर्नामेंट अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 बॉयज एवं गर्ल्स का आयोजन सिलवासा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में किया गया। इस प्रतियोगिता में विभिन्न स्कूलों से चयनित 306 विद्यार्थी शामिल हुए। तीनों कैटेगरी में से पांच लड़कों और पांच लड़कियों का चयन यूटी लेवल शतरंज टूर्नामेंट के लिए किया गया। टूर्नामेंट को सफल बनाने में स्पोर्ट्स को-ऑर्डिनेटर महेश पटेल, खेल सहायक संतोष कापड़ी, शतरंज कोच विक्रम मिश्रा एवं उनकी टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सभी विजेताओं को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा उन्हें प्रोत्साहित किया गया कि पढ़ाई के साथ-साथ शतरंज में भी कड़ी मेहनत करें, जिससे संघ प्रदेश का नाम रोशन हो। यह प्रतियोगिता स्विस सिस्टम से आयोजित हुई, जिसमें खिलाड़ियों ने सुबह से शाम तक अपने मस्तिष्क का अद्‌भुत प्रदर्शन किया। इस टूर्नामेंट से विद्यार्थियों ने शतरंज का कौशल, धैर्य और रणनीति सीखने का अवसर प्राप्त किया।

वापी के लवाछा विस्तार से गुम हुई युवती

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, वापी 22 अगस्त। वापी के लवाछा विस्तार से एक युवती की गुम होने का मामला डुंगरा पुलिस स्टेशन में दर्ज हुआ है। पुलिस द्वारा जारी प्रेसनोट में बताया गया है कि लवाछा पिपरिया कनैयानगर रामरतन पटेल की चाल निवासी 25 वर्षीय पिन्की कुमारी 17 अगस्त 2025 को शाम 7.30 बजे के बाद कपडा फिटिंग कराने जाने के बात कहकर घर से निकली और वापस नहीं आई। गुम हुई पिन्की कुमारी गांव-संसारपुर, थाना एवं पोस्ट-भोरे, तालुका मीरगंज जिला गोपालगंज बिहार की निवासी है और हिन्दी तथा भोजपुरी भाषा जानती है। गुम हुई युवती के बारे में यदि किसी को कोई जानकारी हो तो मो. नं. 9408931277, 9328370652 पर संपर्क करें।

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)